एक नया इतिहास रचें हम

समावर्तन
२०१७

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा श्रेणी 'बी' प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर–२७३ ०१४ (उ.प्र.)

Web : www.mpm.edu.in | e-mail : mpmpg5@gmail.com | Phone : 7897475917, 9794299451

हमारे आदर्श

स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिये सर्वस्व निछावर करने वाले राष्ट्रनायक परमवीर महाराणा प्रताप का उज्ज्वल प्रदीप्त चरित्र हमारा आदर्श है। मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान् श्रीराम के श्रीमुख से निःसृत-

'जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी'

और पुण्य प्रताप महाराणा प्रताप का यह उद्घोष कि-

'जो हठि राखे धर्म को तिहि राखै करतार'

हमारे सदा स्मरणीय बोधवाक्य हैं। शिक्षा परिषद् और महाविद्यालय को राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप के नाम पर स्थापित करने के पीछे यही स्पष्ट उद्देश्य और प्रयोजन है कि इन संस्थाओं में अध्ययन-अध्यापन करने वाला युवा आधुनिक ज्ञान-विज्ञान एवं कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ अपने देश और समाज के प्रति सहज निष्ठा और अटूट श्रद्धा का पाठ भी पढ़े।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक

शिक्षा के प्रसार को लोक जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र एवं अपनी कर्मस्थली गोरखपुर में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की शिक्षण संस्थाओं को संचालित करने हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की १९३२ ई. में स्थापना कर शिक्षा क्षेत्र में अविस्मरणीय भूमिका की नींव रखी। वर्तमान में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत संचालित साढ़े तीन दर्जन से भी अधिक शिक्षण-संस्थाओं में २५ हजार से भी अधिक छात्र-छात्रायें कला, विज्ञान, वाणिज्य, साहित्य, चिकित्सा और प्राविधिक विषयों में परम्परागत तथा आधुनिक विषयों की शिक्षा ले रहे हैं।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय के संस्थापक

अपने वरेण्य गुरुदेव युगपुरूष महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के बहुआयामी सपनों को साकार करने में निरन्तर संलग्न सामाजिक समरसता के उद्गाता, राष्ट्रवादी राजनीति के पुरोधा और अप्रतिम धर्मयोद्धा राष्ट्र संत ब्रह्मलीन पूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने सन् १९३२ ई. में गुरूदेव द्वारा स्थापित 'महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद' को अपनी निष्ठा, सुदीर्घकालीन तपस्या और अनुभव की पूँजी से उत्तरोत्तर समृद्ध, समुन्नत और प्रगतिशील रखते हुए १९५७-५८ ई. में गोरखपुर में वर्तमान विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये उदारतापूर्वक विलीनीकृत तत्कालीन महाराणा प्रताप महाविद्यालय को नये रंग रूप में पुनर्जीवित करते हुये उच्च शिक्षा से वंचित ग्रामीण अंचल जंगल धूसड़ में महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना की, जिसने शैक्षणिक गुणवत्ता, संस्कारयुक्त एवं अनुशासित परिसर की स्थापना कर अपनी बेहतरीन साख बनायी है।

गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के मंत्री एवं महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ के प्रबंधक गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज की स्पष्ट दृष्टि है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना का दर्शन एवं लक्ष्य है कि इस संस्था से अध्ययन करने वाला युवा अत्याधुनिक ज्ञान-विज्ञान तथा कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ राष्ट्र एवं समाज के प्रति सहज निष्ठा और श्रद्धा का पाठ पढ़े। भारतीय जीवन दर्शन का वह अनुगामी बनें। उनका कहना है कि प्रगति और परम्परा राष्ट्रीय-सामाजिक विकास रथ के दो पहिये हैं, ऐसे में अत्याधुनिक संसाधनों, सूचना एवं संचार माध्यमों के उपयोग के साथ अध्यापन तथा भारतीय जीवन दर्शन के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना इस महाविद्यालय का मिशन है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

भारत के स्वाधीनता संग्राम में बाल गंगाधर तिलक का युग समाप्त होते-होते कांग्रेस के नेतृत्व पर प्रश्न चिन्ह खड़ा होने लगा था। १९२० ई. के बाद क्रान्तिकारी आन्दोलन ने अलग राह पकड़ी और १९३०-३१ ई. तक आते-आते कांग्रेस के स्पष्ट सहयोग के अभाव में क्रान्तिकारियों का दमन करने में ब्रिटिश हुकूमत सफल रही। १९१५-१६ ई. के बाद इसी काल खण्ड में स्वाधीनता संग्राम की अगुवा कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की भी शिकार हुई। इस युग तक अंग्रेजों द्वारा भारत में अंग्रेजियत में रमे बाबुओं की फौज खड़ी करने की शिक्षा नीति का प्रभाव भी दिखने लगा था। देश के समक्ष एक चुनौती थी कि भारत की नयी पीढ़ी भारतीयता के साँचे में कैसे ढले। अपनी संस्कृति और स्वदेशी दृष्टि से शिक्षा प्रणाली और शिक्षा नीति ही एक मात्र इस चुनौती का समाधान था। इस चुनौती को भी भारतीय मनीषियों ने स्वीकार किया।

महामना मदन मोहन मालवीय के अथक प्रयास से ४ फरवरी १९१६ ई. को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय लोकार्पित हो गया। भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु स्थापित यह विश्वविद्यालय पूरे देश में भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा पद्धति का एक नया मानक बना और इसी धारा को तत्कालीन युगपुरूष गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने आगे बढ़ाते हुए १९३२ ई.में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नींव रखी। ब्रिटिश हुकूमत को शिक्षा के भी क्षेत्र में भारतीय मनीषियों द्वारा यह कड़ी चुनौती थी कि भारत अपने पैरों पर खड़ा होने में समर्थ है, वह अपना तंत्र, अपनी शिक्षा, अपनी संस्कृति और अपने मूल्यों की पुन: स्थापना अपनी योजनानुसार करेगा। यह दूर दृष्टि थी कि देश जब आजाद होगा तब देश की व्यवस्था चलाने हेतु भारतीय पद्धति के शिक्षा संस्थानों से निकले युवाओं की फौज तैयार मिलेगी।

देश पराधीन था। जनता विपन्न थी। ज्ञान कौशल के अभाव में स्वाभिमान और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की चेतना का जागरण दुष्कर था। महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज अपनी संकल्प शक्ति के बल पर आजादी की लड़ाई के एक प्रमुख शस्त्र के रूप में शैक्षिक क्रान्ति के पथ पर भी आगे बढ़े। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत १९३२ ई. में बक्शीपुर में किराये के एक मकान में 'महाराणा प्रताप क्षत्रिय स्कूल' प्रारम्भ हुआ। १९३५ ई. में इसे जूनियर हाईस्कूल की मान्यता मिल गयी और १९३६ ई. में यहाँ हाईस्कूल की पढ़ाई प्रारम्भ की गयी तथा इसका नाम 'महाराणा प्रताप हाई स्कूल' हो गया। इसी बीच महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के अथक प्रयास से गोरखपुर के सिविल लाइन्स में पाँच एकड़ भूमि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् को प्राप्त हो गयी और महाराणा प्रताप हाईस्कूल का केन्द्र सिविल लाइन्स हो गया तथा देश के आजाद होते समय यह विद्यालय महाराणा प्रताप इण्टरमीडिएट कालेज के रूप में प्रतिष्ठित हुआ।

१९४९-५० ई. में इसी परिसर में महाराणा प्रताप डिग्री कालेज की स्थापना महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का अगला पड़ाव था। अगस्त १९५८ ई. में महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने महाराणा प्रताप डिग्री कालेज को गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु समर्पित किया और विश्वविद्यालय की स्थापना के आधार स्तम्भ बने। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विशविद्यालय का परिसर आज भी 'महाराणा प्रताप परिसर' के नाम से जाना जाता है। तत्पश्चात् महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् ने ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के नाम से वर्तमान दिग्विजनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना की, सम्प्रति यह विश्वविद्यालय परिसर से सटे महानगर का एक अति प्रतिष्ठित महाविद्यालय है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा वर्तमान में साढ़े तीन दर्जन से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण तथा सेवा केन्द्र संस्थाएँ संचालित हो रहीं हैं। इनमें महाराणा प्रताप इण्टर कालेज, सिविल लाइन्स, दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज, सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप महिला महाविद्यालय रामदत्तपुर, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत महाविद्यालय गोरखनाथ, दिग्विजयनाथ एल.टी. प्रशिक्षण महाविद्यालय सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कालेज सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक, गोरखनाथ, महाराणा प्रताप मंगला देवी सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल बेतियाहाता, महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज जंगल धूसड़, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोरखनाथ, महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कालेज रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप पूर्व माध्यमिक विद्यालय रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप शिशु शिक्षा बिहार रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप जूनियर हाईस्कूल लालडिग्गी, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक माफी, पीपीगंज, गुरू गोरखनाथ विद्यापीठ, पितेश्वरनाथ मन्दिर, कान्हापार, भरवहिया, पीपीगंज, प्रताप आश्रम गोलघर, महाराणा प्रताप मीराबाई महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, महन्त दिग्विजयनाथ महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, गुरुगोरक्षनाथ संस्कृत छात्रावास गोरखनाथ, महाराणा प्रताप टेलरिंग स्कूल सिविल लाइन्स, गुरू श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग गोरखनाथ मन्दिर, महायोगी गुरू गोरक्षनाथ योग संस्थान गोरखनाथ मन्दिर, श्री गोरखनाथ आधुनिक व्यायामशाला गोरखनाथ मन्दिर, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र जंगल धूसड़, हिन्दू विद्यापीठ जंगल तिनकोनिया, महायोगी गुरू श्री गोरक्षनाथ गौ सेवा केन्द्र गोरखनाथ, गुरू श्री गोरक्षनाथ सेवा संस्थान गोरखनाथ एवं योगिराज बाबा गम्भीर नाथ सेवाश्रम (छात्रावास) जंगल धूसड़, गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ महाविद्यालय, चौक बाजार, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक बाजार, दिग्विजयनाथ पूर्व माध्यमिक विद्यालय चौक बाजार तथा दिग्विजयनाथ प्राथमिक विद्यालय चौक बाजार तथा आदि शक्ति माँ पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल, देवीपाटन, तुलसीपुर, बलरामपुर प्रमुख शिक्षण संस्थाएँ हैं। शिक्षा परिषद् की एक महत्वपूर्ण संस्था गुरू गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यालय मैदागिन, वाराणसी में स्थित है। चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में गुरू श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय एवं महन्त दिग्विजयनाथ आयुर्वेदिक चिकित्सालय गोरखनाथ मन्दिर द्वारा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत ही संचालित है। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ इसी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित संस्था है।

गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ

संसद सदस्य, लोकसभा
भारत

प्रबन्धक
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

शुभकामना संदेश

शिक्षा में गुणवत्ता का गिरता स्तर उच्च शिक्षा के समक्ष एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। उच्च शिक्षा परिसरों में अराजकता, अपराधियों का बढ़ता प्रभाव, राष्ट्र विरोधी तत्वों का किंचित संरक्षण तथा राजनीतिक दलों का सक्रिय हस्तक्षेप और शिक्षा संस्कृति का निरन्तर ह्रास गम्भीर चिंता का विषय है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में गुणवत्तायुक्त, युगानुकूल और भारतीय संस्कृति केन्द्रित शिक्षा के प्रसार हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने की थी। उपर्युक्त विषम परिस्थितियों में चुनौती को स्वीकार करते हुए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना २००५ ई. में की गयी। शीघ्र ही इस महाविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज करायी। पूरे सत्र में १८० दिन पढ़ाई, ३० जनवरी तक पाठ्यक्रम पूर्ण कर लेने, सप्ताह में एक दिन की कक्षा छात्र-छात्राओं द्वारा पढ़ाये जाने, सरस्वती वन्दना, प्रार्थना, राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान एवं श्रीमदभगवतगीता के ५ श्लोक अथवा महापुरुषों की स्मृति के साथ महाविद्यालय की प्रतिदिन की दिनचर्या शुरू करने, फरवरी माह में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा का आयोजन, सप्ताह में एक दिन स्वैच्छिक श्रमदान, विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन, विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन, कक्षाध्यापन में अद्यतन तकनीकों का प्रयोग जैसे नये-नये प्रयोगों के साथ इस महाविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय ख्याति अर्जित की है।

छात्रसंघ की संरचना में नया प्रयोग एवं प्रशासनिक व्यवस्था में छात्र सहभाग की योजना प्रशंसनीय है। प्रत्येक विभाग द्वारा एक गाँव गोद लेकर वहाँ जन-जागरण के माध्यम से सामाजिक दायित्व बोध पैदा करना एक अभिनव प्रयोग है। यदि ये प्रयोग सफल हुये तो निश्चय ही यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक मानक महाविद्यालय के रूप में जाना जायेगा। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के उददेश्यों के अनुरूप शिक्षा के साथ संस्कार का प्रयास भी सराहनीय है। 'गाउन' के स्थान पर भारतीय वेश-भूषा में 'समावर्तन संस्कार' समारोह का प्रारम्भ से आयोजन भी शिक्षा परिसर में भारतीय संस्कृति की पुनर्स्थापना का महत्वपूर्ण प्रयास है। 'समावर्तन संस्कार' समारोह की सफलता एवं वर्तमान सत्र में स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा पूर्ण कर अपनी जीवन यात्रा के पथ पर निरन्तर अग्रसर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मेरी हार्दिक शुभकामना।

(योगी आदित्यनाथ)
सचिव, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्
प्रबन्धक/सचिव, महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़

Dr. Bholendra Singh
M.Com. Ph.D.
Ex. Vice Chancellor
Poorvanchal University, Jaunpur

☎ 0551-2256934
Residence :
A-64, Surajkund Colony,
Gorakhpur-273 001

शुभकामना संदेश

गोरक्षपीठ की शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में पहल अविस्मरणीय है। १९३२ ई. में ही महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना के साथ शिक्षण संस्थानों की जो शृंखला खड़ी हुई, उसमें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ की स्थापना उच्च शिक्षा में बढ़ते कदम का अगला पड़ाव था। गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की इच्छा एवं प्रेरणा से स्थापित यह महाविद्यालय बारहवाँ वर्ष पूरा करने जा रहा है। इस सत्र में महाविद्यालय से स्नातक शिक्षा प्राप्त कर चुके दसवाँ 'बैच' एवं स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त कर चुके छठवें 'बैच' के लिए 'समावर्तन संस्कार' समारोह का आयोजन एक प्रशंसनीय प्रयास है। इस प्रयास की सफलता हेतु मैं महाविद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामना एवं धन्यवाद प्रेषित कर रहा हूँ।

(भोलेन्द्र सिंह)
अध्यक्ष-महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, गोरखपुर

प्रो. यू. पी. सिंह

पूर्व कुलपति

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय
जौनपुर (उ.प्र.)

शुभकामना संदेश

गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने १९३२ ई. में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की। शिक्षा के प्रसार को लोक जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत प्राथमिक से लेकर उच्च एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थानों की शृंखला खड़ी की। तत्पश्चात् गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की देख-रेख में शिक्षा के क्षेत्र में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा स्थापित तत्कालीन महाराणा प्रताप डिग्री कालेज में १९५५ से १९५८ ई. तक कार्य करने का मुझे सुअवसर मिला जिस भूमि भवन पर गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ की स्थापना शिक्षा परिषद् के इसी बढ़ते क्रम में हुई।

अपने अल्प समय में ही उच्च शिक्षा के क्षेत्र में इस महाविद्यालय को पर्याप्त यश मिला है। नित नये प्रयोगों, अनुशासन, गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के कारण यह महाविद्यालय प्रशंसित हुआ है। हमें विश्वास है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय भारतीय संस्कृति के विकास का प्रयास जारी रखेगा। महाविद्यालय के दसवें 'समावर्तन संस्कार' समारोह के आयोजन पर महाविद्यालय परिवार को हमारी हार्दिक शुभकामना।

यू॰ पी॰ सिंह

(यू.पी. सिंह)

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, अध्यक्ष-प्रबन्ध समिति,
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

डॉ. पृथ्वीश नाग
कुलपति

Dr. Prithvish Nag
Vice-Chancellor

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय
गोरखपुर-273009 (उ.प्र.) भारत

D.D.U. Gorakhpur University,
Gorakhpur - 273 009 (U.P.)

शुभकामना संदेश

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में **'समावर्तन संस्कार समारोह'** का आयोजन प्रतिवर्ष होता है, यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुयी। शिक्षण संस्था जितना अपने गुणवत्तापूर्ण शिक्षण-प्रशिक्षण के लिए यश प्राप्त करती है, उससे अधिक वह अपने विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्त्व विकास के लिए जानी जाती है। शिक्षा का उद्देश्य मानव को लोक-कल्याण की दृष्टि देना भी है।

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज से शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन के भावी पथ पर अग्रसर होने वाले छात्र-छात्राओं को यह **'समावर्तन संस्कार समारोह'** दिशा प्रदान करेगा, इस विश्वास के साथ इस आयोजन हेतु महाविद्यालय परिवार को बधाई। समावर्तन उपदेश ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों के यशस्वी जीवन की हार्दिक शुभकामना।

पृथ्वीश नाग

(डॉ. पृथ्वीश नाग)
कुलपति

☎ : 0551-2201577 (O), 2340458 (R), Fax : 0551-2330767 (O), 2340459 (R), E-mail : vcddugu@gmail.com

कार्यालय – क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, गोरखपुर

डॉ. राजीव पाण्डेय
क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी
गोरखपुर

0551-2332475 (कार्यालय)
0551-2332475 (फैक्स)
7880886060 (मोबाइल)

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी अपने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की शिक्षा पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों में सामाजिक दायित्व का उत्तर बोध कराने हेतु समावर्तन संस्कार का आयोजन दिनांक २५.०२.२०१७ को किया जा रहा हैं। इस अवसर पर समावर्तन नामक स्मारिका का भी प्रकाशन किया जा रहा है।

मैं समावर्तन संस्कार के सफल आयोजन एवं इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका के सफल प्रकाशन हेतु आयोजकों एवं महाविद्यालय परिवार को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

भवन्निष्ठ

डॉ. (राजीव पाण्डेय)
क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी
गोरखपुर

समावर्तन अतिथि

समावर्तन २००८	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **कर्नल बी.पी. शाही,** ग्रुप कमाण्डर, एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय, गोरखपुर
समावर्तन २००९	अध्यक्षता	: **प्रो. एन.एस. गजभिए,** कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **न्यायमूर्ति श्री गिरधर मालवीय,** उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.
समावर्तन २०१०	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **श्री बसवराज पाटिल,** पूर्व सांसद, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं सा. कार्यकर्ता, गुलबर्ग कर्नाटक
समावर्तन २०११	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **पद्मश्री प्रकाश सिंह,** पूर्व महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा बल, उत्तर प्रदेश
समावर्तन २०१२	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **श्री आशीष जी,** अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार
समावर्तन २०१३	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **डॉ. कृष्ण गोपाल,** सहसर कार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, नई दिल्ली
समावर्तन २०१४	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **न्यायमूर्ति कलाधर शाही,** अ.प्रा. न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.
समावर्तन २०१५	अध्यक्षता	: **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **प्रो. राम शंकर कठेरिया,** राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
	विशिष्ट अतिथि	: **मा. श्री नरेन्द्र कुमार सिंह गौर,** पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार
समावर्तन २०१६	अध्यक्षता	: **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी,** कुलपति, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ.प्र.
	विशिष्ट अतिथि	: **डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय,** राष्ट्रीय संगठन मंत्री, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना
समावर्तन २०१७	अध्यक्षता	: **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **प्रो. रमाशंकर दूबे,** कुलपति, टी.एम. भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार
	विशिष्ट अतिथि	: **प्रो. उदय प्रताप सिंह,** पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

मुख्य अतिथि

प्रोफेसर रमा शंकर दूबे
आचार्य बायोकेमेस्ट्री विभाग
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय
वाराणसी (उ.प्र.)

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के दसवें समावर्तन संस्कार समारोह के मुख्य अतिथि तिलक मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर के माननीय पूर्व कुलपति एवं बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में बायोकेमेस्ट्री विभाग के आचार्य प्रो. रमाशंकर दूबे भारतीय ज्ञान-परम्परा के प्रकाशमान नक्षत्र हैं। भारत रत्न महामना मदन मोहन मालवीय द्वारा स्थापित बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में विज्ञान में उच्च शिक्षा ग्रहण करने एवं बायोकेमेस्ट्री में ''स्टडीज आन इन्ट्रोटॉक्सिन ऑफ एरोमोनॉस हाइड्रोफिलिया'' विषय पर शोध पूर्ण करने वाले प्रो. रमाशंकर दूबे जी ने १९७८ से १९८३ तक इण्डियन कौंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रीसर्च में वैज्ञानिक के रूप में अपनी सेवा के साथ अपने यशस्वी पथ पर आगे बढ़े।

बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय काशी ने अपने इस होनहार विद्यार्थी को अपनी भावी पीढ़ी गढ़ने हेतु अपनी गोद में बुला लिया। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के बायोकेमेस्ट्री विभाग में पच्चीस जनवरी १९८३ ई. से प्रवक्ता के रूप में अपने शिक्षकीय जीवन को प्रारम्भ कर १९९९ ई. में आप प्रोफेसर पद से सुशोभित हुए। लगभग एक दशक तक विभागाध्यक्ष के रूप में बायोकेमेस्ट्री विभाग को नई ऊँचाई देने वाले प्रो. आर.एस. दूबे गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के कुलपति बने। आदर्श शिक्षक के साथ-साथ प्रशासनिक गुणों को साधने वाले वाग्देवी माँ सरस्वती के इस साधक को तिलक माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति पद को भी गौरवान्वित करने का अवसर प्राप्त हुआ।

२६ शोध विद्यार्थियों को राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के शोध पूर्ण कराने वाले प्रो. रमाशंकर दूबे के १५० उच्च स्तरीय शोध-पत्र राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के शोध-पत्रिकाओं (जर्नल्स) में प्रकाशित हैं। अनेक पुस्तकों में आप द्वारा अपने विषय के बाइस अध्याय लिखे गए हैं। आप द्वारा स्वीडन, डेनमार्क, जर्मनी, जापान इत्यादि देशों में अनेक सम्बन्धित विषय के विद्वानों के साथ आपने कार्य किया है। ६० से अधिक राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों को आपने अपनी शोधपूर्ण दृष्टि से सम्पन्न किया है।

इण्डियन कौंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय भारत सरकार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से आपने सात शोध-परियोजनाओं को पूर्ण किया है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आप केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान एवं केन्द्रीय विश्वविद्यालय हिमांचल प्रदेश के कार्य परिषद तथा नार्थ इस्टर्न हिल विश्वविद्यालय शिलाँग के कोर्ट के सदस्य के रूप में भी अपनी उल्लेखनीय सेवाएँ दी हैं। आपको स्वीडिश इन्स्टीट्यूट फेलोशिप जैसे अनेक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं।

प्रो. आर.एस. दूबे अपने विषय के उच्चकोटि के विद्वान हैं। वे कुशल प्रशासक हैं। सहज-सरल व्यक्तित्व के धनी हैं। एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् हैं। शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्र को आपकी दी गई सेवाएँ स्मरणीय एवं उल्लेखनीय हैं। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर ऐसे विद्वान-राष्ट्रभक्त अतिथि को पाकर आह्लादित है। महाविद्यालय के दसवें समावर्तन संस्कार समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में गौरवान्वित करने वाले प्रो. आर.एस. दूबे का महाविद्यालय परिवार हार्दिक आभारी है।

दो शब्द...

गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् जैसे वटवृक्ष की एक छोटी सी शाखा के रूप में गोरखपुर महानगर के पूर्वी-उत्तरी छोर पर ग्रामीण परिवेश में स्थित महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय अपनी यात्रा के बारह वर्ष पूर्ण कर रहा है। महाविद्यालय का दसवाँ बैच स्नातक एवं छठवाँ बैच परास्नातक शिक्षा पूर्ण कर इस वर्ष विश्वविद्यालयी परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी जीवन यात्रा के अगले पड़ाव पर जाने हेतु तैयार है। भारत के लगभग सवा अरब लोगों में हमारे महाविद्यालय के स्नातक-स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त अब कुछ और ऐसे नागरिक होंगे जिनकी जीवन-दृष्टि की रचना में हमारे महाविद्यालय का भी किंचित योगदान है। हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन के दो, तीन अथवा पाँच वर्ष का एक चौथाई समय हमारे महाविद्यालय परिसर में गुजरा है। महाविद्यालय परिसर में बीते इन क्षणों का हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा, यह तो विद्यार्थी स्वयं एवं समय बतायेगा और वही हमारी उपलब्धि होगी।

आज का समावर्तन संस्कार समारोह इस बात का सूचक है कि हम अपने विद्यार्थियों का एक योग्य नागरिक के रूप में कैसा विकास चाहते हैं। वर्तमान में भारत की शिक्षित युवा पीढ़ी का अधिकांश हिस्सा भौतिकवादी पाश्चात्य संस्कृति के आकर्षण के दिवास्वप्न में डूबा हुआ है। सत्तावादी भारतीय राजनीति ने भारती धर्म-संस्कृति को साम्प्रदायिकता का चोला पहनाकर उसके वास्तविक स्वरूप पर भ्रम का आवरण चढ़ा दिया था। परिणामत: सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की डोर कमजोर हुई। परिवार संस्था भी कमजोर हो रही है। गाँव विरान होते जा रहे हैं। महानगरीकरण के रूप में असन्तुलित विकास का भयावह चित्र सामने है। भ्रष्टाचार, आतंकवाद, अपराध का बढ़ता ग्राफ तथा कुछ विश्वविद्यालय परिसरों में राष्ट्र विरोधी तत्त्वों का संरक्षण निरन्तर प्रभावहीन होते भारतीय जीवन-मूल्य के ही सूचक हैं।

किसी भी राष्ट्र का वर्तमान और भविष्य उस देश की शिक्षा प्रणाली और उसके स्वरूप पर निर्भर करता है। डी.एस. कोठारी इसी बात को कह रहे थे कि 'भारत का भविष्य कक्षाओं में पलता है।' किन्तु भारत का दुर्भाग्य है कि आजादी के लगभग सात दशक बाद भी हम मैकाले के भूत से शिक्षा को आजाद नहीं करा पाये। मैकाले द्वारा

प्रतिष्ठित शिक्षा नीति आज तक प्रभावी है और उसके उद्देश्य-'पाश्चात्य शिक्षा व विचारों के प्रभाव से ऐसे भारतीय पैदा करना जो बौद्धिक दृष्टि से गुलाम हों'-को पूरा करने में ही लगी हुई है। 'धर्मनिरपेक्षता' और 'समाजवाद' के नाम पर भारत की सत्ता देश की युवा पीढ़ी को गुमराह करने वाली शिक्षा पद्धति की ही प्रतिष्ठापक है। किन्तु मैकाले की शिक्षा नीति और स्वतन्त्र भारत के उसके मानस-पुत्रों द्वारा शिक्षा के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों की अर्थी सजाने पर छाती पीटते रहने से क्या होने वाला है? हम अपने प्रयासों से, जितना सम्भव है उनके प्रयासों को, कुछ शिक्षण संस्थानों में ही सही निष्फल कर सकते हैं और भारतीय संस्कृति एवं जीवन-मूल्य के प्रति थोड़े ही समूह में सही, युवाओं में आत्म सम्मान जागृत कर सकते हैं।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना परतन्त्र भारत में (१९३२ ई.) तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने उपर्युक्त उद्देश्यों से ही की थी। भारतीय संस्कृति और उसके जीवन मूल्यों तथा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति भारत की युवा पीढ़ी को आकर्षित करने के प्रयास के साथ प्रतिष्ठित एवं विकसित होता हुआ महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय युगपुरूष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं उनकी यशस्वी परम्परा के सपनों को पूरा करने में कहाँ तक सफल है, इसका मूल्यांकन गोरक्षपीठ और समाज करेगा तथापि 'समावर्तन संस्कार समारोह' हमारे वैचारिक अधिष्ठान का ही हिस्सा है। हिन्दू जीवन दर्शन के षोडश संस्कारों में 'समावर्तन संस्कार' का मानव जीवन के संस्कारों में महत्वपूर्ण स्थान है। आज के अवसर पर अपने विद्यार्थियों के यशस्वी जीवन की हार्दिक शुभकामना। मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थियों की जीवनयात्रा में महाविद्यालय परिसर का अल्पकालिक यथार्थ किसी न किसी रूप में अवश्य झलकता रहेगा।

(प्रदीप कुमार राव)
प्राचार्य

तिथि - फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी, वि.सं. २०७३, युगाब्द ५११८
(२५ फरवरी २०१७ ई., शनिवार)

ग्रीष्मावकाश के कार्यक्रम

योगिराज बाबा गंभीरनाथ पुण्यतिथि शताब्दी वर्ष समारोह

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ की १०० वीं पुण्यतिथि पर श्री गोरक्षपीठ गोरखनाथ मन्दिर एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा पुण्यतिथि शताब्दी वर्ष समारोह के रूप में मनाए जाने का निर्णय हुआ। वर्ष पर्यन्त (५ अप्रैल २०१६ से २६ मार्च २०१७) चलने वाले आयोजनों का उद्घाटन ५ अप्रैल २०१६ ई. को श्री गोरखनाथ मन्दिर स्थित दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में सम्पन्न हुआ। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय जल संसाधन व नदी विकास और सफाई मंत्री **साध्वी उमा भारती जी** एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री जनरल **डॉ. बी.के. सिंह जी** उपस्थित रहे। **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज** ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की केन्द्रीय संचार मंत्रालय के भारतीय डाक विभाग द्वारा **योगिराज बाबा गम्भीरनाथ जी** का विशेष आवरण वाला डाक लिफाफा जारी किया गया। इस समारोह में महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज जंगल धूसड़ में गुरू श्री गोरखनाथ सेवा संस्थान के सहयोग से संचालित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई केन्द्र में प्रशिक्षण प्राप्त कु. अंकिता निषाद को पुरस्कार स्वरूप सिलाई मशीन प्रदान किया गया। कु. अंकिता निषाद महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज की कक्षा सात की छात्रा है।

सिलाई मशीन प्रदान करती साध्वी उमा भारती

योगीराज बाबा गम्भीरनाथ जी का विशेष आवरण

कार्यशाला उद्घाटन अवसर पर अतिथि एवं प्रतिभागी

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति साप्ताहिक कार्यशाला

योगिराज बाबा गंभीरनाथ के शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत बी.एड. विभाग द्वारा २१ मई से २७ मई २०१६ तक उनकी स्मृति में साप्ताहिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि किसान पी.जी. कालेज, सेवरही, कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार **डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय** थे। विषय विशेषज्ञ दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के बी.एड. विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर **डॉ. राजशरण शाही** ने 'शिक्षा के उद्देश्य' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। अन्तिम सत्र में योग और प्राणायाम का प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला का दूसरा दिन

२२ मई को कार्यशाला के दूसरे दिन विषय विशेषज्ञ दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग के एसोसियेट प्रोफेसर **डॉ. राजेश कुमार सिंह** थे। 'विद्यार्थियों की विविध समस्याओं की समझ और अध्यापन' विषय पर आयोजित कार्यशाला के प्रथम सत्र में योग एवं प्राणायाम का प्रशिक्षण दिया गया। अन्तिम सत्र में प्रतिभागियों ने अपनी-अपनी पाठ्योजना प्रस्तुत की।

कार्यशाला में व्याख्यान देते डॉ. राजेश कुमार सिंह

कार्यशाला का तीसरा दिन

२३ मई को कार्यशाला के तीसरे दिन दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग की **प्रो. सुषमा पाण्डेय** ने विषय विशेषज्ञ के रूप में 'शिक्षा में प्रशासन' विषय पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में विद्यार्थियों को योग-प्राणायाम का प्रशिक्षण दिया गया। अन्तिम सत्र में विद्यार्थियों को पाठ्य योजना निर्माण की प्रक्रिया बतायी गयी।

कार्यशाला में व्याख्यान देतीं प्रो. सुषमा पाण्डेय

कार्यशाला का चौथा दिन

२४ मई को कार्यशाला के चौथे दिन विषय विशेषज्ञ **डॉ. के. डी. तिवारी**, एसोसिएट प्रोफेसर, बी.एड. विभाग, बी.आर.डी. पी.जी. कालेज देवरिया ने अधिगम एवं अभिप्रेरणा विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। महाविद्यालय की बी.एड. विभाग की असिस्टेण्ट प्रोफेसर श्रीमती पूजा पाण्डेय ने 'योग के महत्व' विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया तथा प्रतिभागियों को योगाभ्यास कराया। अन्तिम सत्र में सभी प्रतिभागियों की उपर्युक्त विषय पर समूह चर्चा सम्पन्न हुई।

कार्यशाला में व्याख्यान देते डॉ. के.डी. तिवारी

कार्यशाला का पाँचवां दिन

२५ मई को कार्यशाला के पाँचवें दिन 'शिक्षा के समाजशास्त्रीय आधार' विषय पर विषय विशेषज्ञ **प्रो. सरिता पाण्डेय**, शिक्षाशास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। प्रथम सत्र में योगासन तथा प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। तृतीय सत्र में ''योग्य शिक्षण पद्धति में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग'' विषय पर विद्यार्थियों ने समूह चर्चा की।

कार्यशाला में व्याख्यान देती प्रो. सरिता पाण्डेय एवं प्रतिभागी

कार्यशाला का छठवाँ दिन

२६ मई को कार्यशाला के छठे दिन विषय विशेषज्ञ दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षाशास्त्र विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष **प्रो. प्रतिभा खन्ना** थीं। इन्होंने 'औद्योगीकरण एवं जनतंत्र पर शिक्षा का प्रभाव' विषय पर शोधपरक व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में बी.एड्. विभाग के प्रवक्ता भूपेन्द्र गुप्ता ने योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। कार्यशाला के तृतीय सत्र में समूह चर्चा सम्पन्न हुई।

कार्यशाला में व्याख्यान देतीं प्रो. प्रतिभा खन्ना

बी.एड. कार्यशाला का समारोप समारोह

२७ मई को कार्यशाला के समारोप में मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग के अध्यक्ष **प्रो. लालजी त्रिपाठी** ने ''द्विवर्षीय बी.एड्. पाठ्यक्रम : एक समीक्षा'' विषय पर अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज, गोरखपुर के पूर्व प्राचार्य **डॉ. मयाशंकर सिंह** ने 'शिक्षा के केन्द्र बिन्दु शिक्षक' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति **प्रो. यू.पी. सिंह** ने की।

कार्यशाला में व्याख्यान देते प्रो. लालजी त्रिपाठी

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा आयोजित शैक्षिक कार्यशाला में महाविद्यालय की सहभागिता

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा योगिराज बाबा गम्भीरनाथ पुण्यतिथि शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत श्री गोरखनाथ मंदिर में १५ जून से २१ जून २०१६ ई. तक साप्ताहिक शैक्षिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस शैक्षिक कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राचार्य सहित समस्त प्राध्यापकों ने सहभाग किया। 'योग' तथा 'शिक्षक एवं शिक्षण संस्थाओं का उन्नयन' विषय पर आयोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि **आयुष (स्वतंत्र प्रभार) एवं स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्यमंत्री, भारत सरकार श्रीपद यसो नायक** ने 'योग भारत की प्राचीन विरासत' विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया। १६ जून को दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष **प्रो. विनोद सोलंकी** ने 'भारत की ज्ञान परम्परा और शिक्षा का उद्देश्य' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। १७ जून को 'आदर्श शिक्षक' विषय पर प्रतिष्ठित साहित्यकार **डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय** ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। १८ जून को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग के आचार्य **डॉ. एन.पी. भोक्ता** ने 'आदर्श शिक्षण संस्था' विषय पर सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। १९ जून को नेशनल डिफेंस एकेडमी, खड्गवासला, पुणे के भौतिकशास्त्री **डॉ. राजेन्द्र भारती** ने 'शिक्षा में विज्ञान-प्रौद्योगिकी एवं तकनीक के प्रयोग' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। २० जून को 'प्राचीन भारत में विज्ञान' विषय पर डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के पूर्व कुलपति **प्रो. राम अचल सिंह** का व्याख्यान हुआ। उद्घाटन एवं समारोप की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के प्रबंधक/सचिव **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज** ने किया। अन्य सभी सत्रों की अध्यक्षता वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष **प्रो. यू.पी. सिंह** ने की।

कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्रीपद यसो नायक जी

कार्यशाला में व्याख्यान देते प्रो. उदय प्रताप सिंह

कार्यशाला के समापन अवसर पर परम पूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ पुण्यतिथि शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी

२-३ जुलाई २०१६ ई. को योगिराज बाबा गम्भीरनाथ की पुण्यतिथि शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत श्री गोरखनाथ मन्दिर एवं महाविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में **'नाथपंथ : साधना एवं दर्शन'** विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न हुई। इस समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री राम नाईक मुख्य अतिथि थे तथा दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति **प्रो. अशोक कुमार** तथा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु के कुलपति **प्रो. रजनीकान्त पाण्डेय** उपस्थित रहे। समारोप कार्यक्रम में भारत सरकार के मानव संसाधन विकास राज्यमंत्री **प्रो. राम शंकर कठेरिया जी** तथा भारत सरकार के पूर्व गृह राज्य मंत्री **स्वामी चिन्मयानन्द जी महाराज** उपस्थित रहे। उद्घाटन एवं समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता गोरक्षपीठाधीश्वर **महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज** ने किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के पूर्व अध्यक्ष **डॉ. कन्हैया सिंह**, भटवली पी.जी. कालेज, उनवल के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष **डॉ. बलवान सिंह**, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के सांख्ययोगतंत्रागम विभाग के अध्यक्ष **प्रो. शीतला प्रसाद उपाध्याय**, भारतीय दर्शन अनुसन्धान परिषद, नई दिल्ली के सदस्य सचिव **डॉ. मानेन्द्र प्रताप सिंह**, भटवली महाविद्यालय, उनवल बाजार, गोरखपुर के पूर्व प्राचार्य **डॉ. सूर्यपाल सिंह**, लाल बहादुर पी.जी. कालेज, गोण्डा के भूगोल विभाग के एसो. प्रोफेसर **डॉ. मिथिलेश मिश्र**, बी.आर.ए. वि.वि. मुजफ्फरपुर, बिहार में दर्शनशास्त्र के एसो. प्रोफेसर **डॉ. सरोज कुमार वर्मा** तथा वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल वि.वि., जौनपुर के पूर्व कला संकायाध्यक्ष **डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी** इत्यादि प्रतिष्ठित विद्वानों के शोध पत्र उल्लेखनीय रहे। प्राख्यात साहित्यकार **प्रो. रामदेव शुक्ल** ने 'सामाजिक परिवर्तन में नाथपंथ की भूमिका' विषय पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन एवं समारोप श्री गोरखनाथ मन्दिर स्थित दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में तथा सभी तकनीकी सत्र महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ में सम्पन्न हुआ।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर मंचस्थ अतिथि

राष्ट्रीय संगोष्ठी में सम्मिलित विद्वतजन

राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर मंचस्थ अतिथि

कक्षाएं प्रारम्भ

महाविद्यालय के शैक्षिक पञ्चांग के अनुसार १ जुलाई से बी.एड्., प्रथम वर्ष १६ जुलाई से स्नातक कला, विज्ञान एवं वाणिज्य भाग-दो तथा तीन एवं स्नातकोत्तर रसायनशास्त्र, प्राचीन इतिहास तथा राजनीति शास्त्र अन्तिम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ की गयीं। १ अगस्त से स्नातक एवं स्नातकोत्तर भाग-एक की सभी कक्षाएं प्रारम्भ हुई।

कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी

प्रवेश सूची जारी

४ जुलाई को बी.ए., बी.एस-सी., बी.कॉम, एम.ए., एम.एस-सी. तथा एम.कॉम. प्रथम वर्ष की प्रवेश अर्हता सूची जारी कर दी गयी। प्रवेश समिति की संयोजक **श्रीमती शिप्रा सिंह** के नेतृत्व में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हुई। ३० जुलाई तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई।

स्वामी विवेकानन्द स्मृति दिवस

४ जुलाई को स्वामी विवेकानन्द की पुण्यतिथि के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में आयोजित व्याख्यान में महाविद्यालय के प्राचार्य **डॉ. प्रदीप कुमार राव** ने 'स्वामी विवेकानन्द एवं भारतीय जीवन मूल्य' विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया। इस व्याख्यान में गुरू श्री गोरक्षनाथ तथा हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप ईकाई के स्वयंसेवक तथा स्वयंसेविकाओं सहित महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग के विद्यार्थी तथा समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे।

वार्षिक योजना बैठक

५-६ जुलाई को प्राचार्य की अध्यक्षता में सभी शिक्षकों के साथ वार्षिक योजना बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में वार्षिक शैक्षिक पञ्चांग के साथ सम्पूर्ण वार्षिक योजना बनायी गई।

वार्षिक योजना बैठक में प्राचार्य एवं शिक्षकगण

चन्द्रशेखर आजाद जयन्ती समारोह

२३ जुलाई को युवाओं के प्रेरणास्रोत एवं अमर बलिदानी

चन्द्रशेखर आजाद की जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को इतिहास विभाग के प्रवक्ता **डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह** ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता **डॉ. अविनाश प्रताप सिंह** ने किया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्त्वावधान में आयोजित हुआ।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम स्मृति दिवस

२८ जुलाई को राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा भारत रत्न डॉ. ए.पी. जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि समारोह का आयोजन किया गया। राजनीति शास्त्र विभाग के **डॉ. कृष्ण कुमार** ने 'कलाम के आध्यात्मिक दर्शन' विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया। इस समारोह में महाविद्यालय के प्राध्यापकों सहित समस्त छात्र/छात्राएं सम्मिलित हुईं।

व्याख्यान देते डॉ. कृष्ण कुमार

पौधरोपण कार्यक्रम

३० जुलाई को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्त्वावधान में महाविद्यालय प्रांगण में एवं योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम में पौधरोपण किया गया। इस पौधरोपण कार्यक्रम में अशोक, नीम, सागौन तथा पीपल के पौधे लगाए गए। इस कार्यक्रम के उपरान्त एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका शीर्षक 'पर्यावरण संरक्षण' था। गोष्ठी में प्राचार्य तथा शिक्षकों सहित स्वयंसेवक तथा स्वंयसेविकाओं ने अपने-अपने विचार रखे।

पौधारोपण करते विद्यार्थी

लोकमान्य तिलक महाप्रयाण दिवस एवं नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत समारोह

एक अगस्त को महाविद्यालय में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक महाप्रयाण दिवस एवं नवागन्तुक विद्यार्थियों का स्वागत समारोह आयोजित हुआ।

अखण्ड भारत संकल्प दिवस

प्रतिवर्ष की भाँति १३ अगस्त को भारत विभाजन की पूर्व सन्ध्या

अखण्ड भारत पर बोलते हुए प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

पर आयोजित व्याख्यान के अन्तर्गत महाविद्यालय के प्राचार्य **डॉ. प्रदीप कुमार राव** ने ''अखण्ड भारत की संकल्पना'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक तथा छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थी

स्वतंत्रता दिवस समारोह

स्वतंत्रता दिवस का राष्ट्रीय पर्व १५ अगस्त को प्रतिवर्ष की भाँति महाविद्यालय में उत्साहपूर्वक ध्वजारोहण, राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत के साथ मनाया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत देश प्रेम से ओतप्रोत प्रस्तुतियाँ एवं सामाजिक समस्याओं के समाधान के प्रति जागरुकता से सम्बन्धित कार्यक्रमों के पश्चात वन्देमातरम् के साथ समारोह सम्पन्न हुआ।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी

वाणिज्य संकाय में व्याख्यान

१६ अगस्त को रामकृष्ण परमहंस की स्मृति में वाणिज्य संकाय द्वारा ''व्यक्तित्व की अवधारणा एवं संरचना'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के प्रवक्ता **डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र** ने इस अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता से प्रतिभागियों ने परिचर्चा कर अपनी समस्याओं का निराकरण किया।

छात्रसंघ चुनाव : योग्यता भाषण

२३ अगस्त को महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव के योग्यता भाषण में अध्यक्ष पद हेतु सतीश पाण्डेय तथा सिद्धार्थ कुमार शुक्ल उपाध्यक्ष पद के लिए विनय साहनी, प्रगति मिश्रा, राहुल गिरी तथा सुधांशु यादव और महामंत्री पद के लिए रवि प्रताप नागवंशी, अनुराग त्रिपाठी, धनन्जय साहनी तथा अनिल कुमार ने अपना विचार प्रस्तुत कर मतदाताओं से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की।

छात्रसंघ चुनाव योग्यता भाषण के अवसर पर प्रत्याशीगण

छात्रसंघ चुनाव

छात्रसंघ चुनाव में विजयी पदाधिकारी

महाविद्यालय में २४ अगस्त को प्रातः ८ बजे से तीन मतदान स्थलों (कला संकाय, विज्ञान संकाय एवं वाणिज्य संकाय) पर मतदान प्रारम्भ हुआ। मतदान में समस्त छात्र/छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। लगभग 80 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थियों ने मतदान किया। मतदान के उपरान्त मतगणना का कार्य सकुशल सम्पन्न हुआ। छात्रसंघ चुनाव अधिकारी डॉ. प्रवीन्द्र कुमार शाही के कुशल निर्देशन में परिणाम घोषित हुआ। अध्यक्ष पद पर **श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल**, उपाध्यक्ष पद पर **सुश्री प्रगति मिश्रा** तथा महामंत्री पद पर **श्री अनुराग त्रिपाठी** चुने गए।

राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक व्याख्यान-माला का उद्घाटन

साप्ताहिक व्याख्यानमाला का उद्घाटन समारोह

प्रत्येक वर्ष की भाँति २६ अगस्त से एक सितम्बर तक महाविद्यालय के संस्थापक राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में साप्ताहिक व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। २६ अगस्त को इस साप्ताहिक व्याख्यान-माला के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्यप्रदेश के दर्शन शास्त्र के विभागाध्यक्ष **प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा** ने 'सांस्कृतिक आक्रमण प्रतिरोध की दिशाएँ' विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग, उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष एवं डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के पूर्व कुलपति **प्रो. राम अचल सिंह** ने की।

व्याख्यान देते डॉ. सतीश द्विवेदी

व्याख्यान का दूसरा दिन

२७ अगस्त को विषय विशेषज्ञ बुद्ध पी.जी. कालेज, कुशीनगर के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष **डॉ. सतीश द्विवेदी** ने 'पूर्वी उत्तर प्रदेश का विकास: चुनौतियाँ एवं समाधान' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसी क्रम में 'वैश्विक ताप वृद्धि: चुनौतियाँ एवं समाधान' विषय पर भूगोल विभाग के प्रभारी **डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने अपना उद्बोधन दिया।

व्याख्यान का तीसरा दिन

२८ अगस्त को 'शिक्षा का वर्तमान परिदृश्य : एक मूल्यांकन' विषय पर भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर, बिहार के दर्शन शास्त्र विभाग के **एसो. प्रो. एस.के. वर्मा** ने बतौर मुख्य अतिथि अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी **डॉ. राजीव पाण्डेय** ने भी अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

व्याख्यान-माला में मंचस्थ अतिथि

कार्यशाला

२८ अगस्त को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज जंगल धूसड़ के आईक्यूएसी तथा स्ववित्तपोषित महाविद्यालय प्राचार्य परिषद के संयुक्त तत्वाधान में 'शैक्षिक प्रशासन एवं गुणवत्ता : कुछ नए प्रयोग' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, गोरखपुर **डॉ. राजीव पाण्डेय** रहे। इसमें विभिन्न महाविद्यालय के ६४ प्राचार्य सम्मिलित हुए। समापन समारोह की अध्यक्षता दिग्विजयनाथ पी. जी. कालेज के प्राचार्य **डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह** ने की तथा मुख्य वक्ता के रूप में **डॉ. राजशरण शाही** का व्याख्यान हुआ। सभी सत्रों की अध्यक्षता प्राचार्य परिषद् के अध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र उपाध्यान ने की।

एकदिवसीय कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ एवं प्रतिभागी

व्याख्यान का चौथा दिन

२९ अगस्त को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के **प्रो. द्वारिका नाथ** ने 'धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा : भारतीय संदर्भ में एक विवेचन' विषय पर अपना सारगर्भित उद्बोधन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर हिन्दी विभाग की प्रवक्ता **डॉ. आरती सिंह** ने 'कबीर का समाजवाद' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

व्याख्यान माला में प्रो. द्वारिका नाथ एवं डॉ. आरती सिंह

व्याख्यान का पाँचवां दिन

३० अगस्त को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड्गवासला, पुणे के भौतिक शास्त्री **प्रो. राजेन्द्र भारती** ने 'शिक्षा के समक्ष चुनौतियाँ : समस्या एवं समाधान' विषय पर अपना विशिष्ट उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। इसी क्रम में 'प्राचीन भारत में रसायन विज्ञान' विषय पर रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष **डॉ. शिव कुमार बर्नवाल** ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

व्याख्यान देते डॉ. राजेन्द्र भारती

व्याख्यान का छठां दिन

३१ अगस्त को व्याख्यान-माला में बतौर मुख्य वक्ता प्रसिद्ध हिन्दी साहित्यकार **डॉ. उदय प्रताप सिंह** (वाराणसी) ने 'हिन्दुत्व और राष्ट्रीयता' विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सक्षम के प्रदेश अध्यक्ष **डॉ. हिमांशु भूषण वर्मा** ने 'नेत्रदान-महादान' विषय पर अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया।

व्याख्यान देते डॉ. उदय प्रताप सिंह

व्याख्यान-माला : समारोप कार्यक्रम

एक सितम्बर को साप्ताहिक व्याख्यान-माला के समारोप में मुख्य अतिथि भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के सचिव **डा. मानेन्द्र प्रताप सिंह** ने 'कर्मफलसन्यास : एक दार्शनिक विवेचन' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि **पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी. सिंह** जी रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता **गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य महन्त आदित्यनाथ जी महाराज** ने की।

व्याख्यान-माला का समारोप

शतरंज प्रतियोगिता

२ सितम्बर को योगिराज बाबा गम्भीरनाथ पुण्यतिथि शताब्दी वर्ष समारोह के अन्तर्गत दो वर्गों में शतरंज प्रतियोगिता (बालक वर्ग, बालिका वर्ग) आयोजित की गयी। प्रतियोगिता के बालक वर्ग में राम किशोर (बी.एस-सी.

तृतीय वर्ष) विजेता रहे तथा शिवांशु सिंह (बी.एस-सी. तृतीय वर्ष) उपविजेता रहे। बालिका वर्ग शतरंज प्रतियोगिता में शशि चौहान (बी.एस-सी. तृतीय वर्ष) विजेता तथा उप विजेता रंजिता चौहान (बी.एस-सी. तृतीय वर्ष) रहीं।

शतरंज प्रतियोगिता में प्रतिभागी

शिक्षक दिवस

५ सितम्बर को सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पर आयोजित शिक्षक दिवस के अवसर पर भूगोल विभाग के प्रभारी **डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों में छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन भी किया गया।

कक्षा पढ़ाता हुआ विद्यार्थी

निबन्ध प्रतियोगिता

७ सितम्बर को रामकृष्ण मिशन द्वारा अखिल भारतीय निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गयी। ''शिक्षा का समग्र उद्देश्य है आइनों को झरोखों में बदलना'' विषय पर कुल ६० प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की वर्षा सिन्हा (बी.एड्. द्वितीय वर्ष), आशुतोष चौहान (बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष), दृष्टि जायसवाल (बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष), प्रिया श्रीवास्तव (बी.एड्. प्रथम वर्ष) तथा धनन्जय विश्वकर्मा (एम.ए. प्रथम वर्ष) को रामकृष्ण मिशन द्वारा श्रेष्ठ निबन्ध लेखन के लिए पुरस्कृत किया गया।

विश्व-साक्षरता दिवस पर व्याख्यान

८ सितम्बर को योगिनाथ बाबा गम्भीरनाथ पुण्यतिथि शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व साक्षरता दिवस पर व्याख्यान कार्यक्रम में **डा. यशवन्त राव, श्री प्रकाश प्रियदर्शी, सुश्री दिप्ती गुप्ता एवं डा. अविनाश प्रताप सिंह** ने अपने विचार व्यक्त किए।

छात्र-संघ पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण

१२ सितम्बर को छात्र संघ शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

छात्रसंघ शपथ ग्रहण समारोह

किया गया। समारोह में कुल ६६ कक्षा प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों को प्राचार्य द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गयी। **अध्यक्ष** पद पर श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल (एम.काम. प्रथम वर्ष), **उपाध्यक्ष** पद पर सुश्री प्रगति मिश्रा (एम.काम. द्वितीय वर्ष) तथा **महामंत्री** पद पर श्री अनुराग त्रिपाठी (बी.काम. तृतीय वर्ष) ने शपथ ली।

हिन्दी दिवस

१४ सितम्बर को हिन्दी दिवस के अवसर पर हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के अवकाश प्राप्त **प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त** ने 'भारत की आत्मा हिन्दी' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्राध्यापकों सहित महाविद्यालय के छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे।

शिक्षक संघ चुनाव

शिक्षक संघ चुनाव

१६ सितम्बर को शिक्षक संघ का चुनाव सम्पन्न हुआ। **अध्यक्ष** पद पर श्री सुभाष कुमार गुप्त, **उपाध्यक्ष** पद पर डा. महेन्द्र प्रताप सिंह, **महामन्त्री** पद पर श्री विनय कुमार सिंह तथा कोषाध्यक्ष पर डा. रामसहाय निर्विरोध निर्वाचित हुए।

विश्व ओजोन संरक्षण दिवस पर व्याख्यान कार्यक्रम

विश्व ओजोन संरक्षण दिवस

१६ सितम्बर को विश्व ओजोन संरक्षण दिवस पर कार्यक्रम में **डा. विजय कुमार चौधरी** एवं **डा. अविनाश प्रताप सिंह** ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये।

श्रद्धांजलि सभा

१६ सितम्बर को **युगपुरूष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज** एवं **राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज** की पुण्यतिथि के अवसर पर महाविद्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के रसायनशास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष **डॉ.**

श्रद्धाजलि सभा को सम्बोधित करते डॉ. मुन्नू लाल यादव

मुन्नू लाल यादव ने 'पूज्य महाराज जी के विराट व्यक्तित्व और उनके सामाजिक परिप्रेक्ष्य' विषय पर अपना विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. आरती सिंह तथा डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने भी अपना विचार प्रस्तुत किया।

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभागी

पोस्टर प्रतियोगिता

२३ सितम्बर को वनस्पति विज्ञान विभाग तथा राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से **'पर्यावरण संकट और संरक्षण'** विषय पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुश्री गरिमा जायसवाल (बी.ए. द्वितीय वर्ष), द्वितीय स्थान बैजनाथ भारती (बी.एड. द्वितीय वर्ष) तथा आरती गौर (बी.एस-सी. प्रथम वर्ष) एवं काजल चौरसिया (बी.एड. द्वितीय वर्ष) ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में कुल ३४ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ पुण्यतिथि कार्यक्रम

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति व्याख्यान

प्रतिवर्ष की भाँति आश्विन कृष्ण चतुर्दशी (२८ सितम्बर) को योगिराज बाबा गम्भीरनाथ पुण्यतिथि के अवसर पर मुख्य वक्ता वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कला संकाय अधिष्ठाता डा. आद्या प्रसाद द्विवेदी ने 'भारतीयता के मूल स्वर' विषय पर योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति व्याख्यान दिया। अध्यक्षता गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने की।

राष्ट्रीय पर्व

२ अक्टूबर को **महात्मा गांधी जी** एवं **लाल बहादुर शास्त्री जी** की जयन्ती को राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया गया। ध्वजारोहण, राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

अंग्रेजी विभाग द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभागी

अंग्रेजी विभाग द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता

२ अक्टूबर को अंग्रेजी विभाग द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का

आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में श्री दिव्यम श्रीवास्तव (बी.ए. प्रथम वर्ष) को **प्रथम स्थान**, सुश्री दर्शिका गुप्ता (बी.ए. प्रथम वर्ष) एवं सृष्टि श्रीवास्तव (बी.ए. प्रथम वर्ष) को **द्वितीय स्थान** प्राप्त हुआ। अमित शर्मा (बी.ए. प्रथम वर्ष) एवं सुश्री गरिमा (बी.ए. तृतीय वर्ष) को **तृतीय स्थान** प्राप्त हुआ।

पुरातन छात्र परिषद सम्मेलन

२ अक्टूबर को जगत जननी माँ सीता सभागार में पुरातन छात्र सम्मेलन आयोजित हुआ। इस सम्मेलन में महाविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया तथा प्रतिवर्ष की भाँति पुरातन छात्र परिषद् का चुनाव सम्पन्न हुआ। बैठक में पुरातन छात्र परिषद के सदस्यों द्वारा महाविद्यालय के उन्नयन हेतु प्रयास करने का संकल्प लिया गया।

त्रैमासिक समीक्षा बैठक

२ अक्टूबर को **डॉ. विजय कुमार चौधरी** की अध्यक्षता में शिक्षकों की त्रैमासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षाध्यापन, छात्र-छात्राओं द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन, गोद लिए गए विद्यार्थियों की प्रगति, कक्षा में अच्छे एवं कमजोर विद्यार्थियों के सम्बन्ध में योजना, शिक्षण पद्धति में नए प्रयोग सहित महाविद्यालय में लागू समस्त योजनाओं की समीक्षा कर आगामी **त्रैमासिक योजना** निर्धारित की गई।

समीक्षा बैठक में शिक्षकगण

छात्र-संघ कार्यकारिणी की बैठक

२ अक्टूबर को छात्र-संघ के कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न हुयी। इस बैठक में महाविद्यालय के विभिन्न समितियों में छात्र-संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य मनोनीत किये गये। नियन्ता मण्डल, पुस्तकालय समिति, प्रयोगशाला समिति, क्रीड़ा समिति, सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति, प्रार्थना सभा समिति, स्वच्छता समिति इत्यादि **विभिन्न समितियों** में छात्र-संघ के पदाधिकारी अथवा प्रतिनिधि के नाम छात्र संघ अध्यक्ष द्वारा उपर्युक्त समिति के संयोजकों को दे दिया गया।

छात्रसंघ कार्यकारिणी की बैठक में प्रतिनिधिगण

राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ स्मृति कैरम प्रतियोगिता

कैरम प्रतियोगिता में प्रतिभागी

४ अक्टूबर को महाविद्यालय में राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति एक दिवसीय कैरम प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में **बालक वर्ग की ८ टीमों** ने तथा **बालिका वर्ग में ६ टीमों** ने प्रतिभाग किया। बालक वर्ग के फानइल मैच में राघवेन्द्र प्रताप सिंह (एम.काम. प्रथम वर्ष) और जसवन्त कुमार (बी.कॉम. तृतीय वर्ष) विजेता रहे जबकि सुधांशु यादव (बी.ए. तृतीय वर्ष) तथा सतीश चौरसिया (बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष) उपविजेता रहे। बालिका वर्ग के फाइनल मैच में शिवांगी पाण्डेय (बी.कॉम. प्रथम वर्ष) और मनीषा श्रीवास्तव (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष) विजेता तथा तनु कुमारी (बी.ए. तृतीय वर्ष) और पूजा यादव (बी.काम. प्रथम वर्ष) उपविजेता बनीं।

वायु सेना स्थापना दिवस

व्याख्यान देते श्री सुबोध मिश्र एवं अन्य मंचस्थ अतिथि

८ अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वायु सेना दिवस के अवसर पर ''भारतीय वायुसेना का देश की सुरक्षा एवं आपदा में योगदान'' विषय पर आयोजित व्याख्यान में प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी **श्री सुबोध कुमार मिश्र** ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सप्त दिवसीय कार्यशाला

कार्यशाला के समापन अवसर पर श्री सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव एवं अन्य

१४ अक्टूबर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि खाद्य एवं फल संरक्षण विभाग के प्रभारी **श्री आर.पी. गौतम** थे। २० अक्टूबर को कार्यशाला का समापन समारोह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ के रूप में **श्री ईश्वर चन्द्र श्रीवास्तव** थे। उक्त कार्यशाला में जैम, मुरब्बा, जेली, आवले का मुरब्बा, नवरत्न चटनी, टोमैटो सॉस तथा गोभी, गाजर, अदरख, हरी मिर्च इत्यादि के सीमित संसाधनों में अचार बनाना सिखाया गया। कार्यशाला में छात्र/छात्राओं को प्रशिक्षण मुख्य प्रशिक्षक **जैनुल आब्दीन खाँ** एवं सहायक प्रशिक्षक **श्री कमल श्रीवास्तव** ने दी।

आजाद हिन्द फौज स्थापना दिवस

२१ अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में **नेताजी सुभाष चन्द्र बोस** और आजाद हिन्द फौज द्वारा ब्रिटिश भारत में अस्थाई सरकार स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य वक्ता राजनीति शास्त्र विभाग के डॉ. कृष्ण कुमार ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

आजाद हिन्द फौज स्थापना दिवस के अवसर पर मंचस्थ वक्ता

संयुक्त राष्ट्रसंघ स्थापना दिवस

२४ अक्टूबर को रा.से.यो. के द्वारा संयुक्त राष्ट्रसंघ स्थापना दिवस के अवसर पर ''विश्व शान्ति और संयुक्त राष्ट्रसंघ की भूमिका'' विषय पर **भाषण प्रतियोगिता** आयोजित की गयी। प्रतियोगिता में १३ प्रतिभागियों ने सहभाग किया। राहुल गिरी (बी.ए. प्रथम वर्ष) प्रथम स्थान, प्रियंका गुप्ता (बी.ए. द्वितीय वर्ष) तथा कृष्ण मोहन (बी.एड. प्रथम वर्ष) को द्वितीय तथा रवि प्रताप नागवंशी (बी. ए. द्वितीय वर्ष) और अनुप कुमार (बी.ए. प्रथम वर्ष) को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागी एवं निर्णायकगण

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति रक्तदान शिविर

२५ अक्टूबर को योगिराज बाबा गम्भीरनाथ पुण्यतिथि शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत रा.से.यो. के तत्त्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। गुरू गोरक्षनाथ चिकित्सालय के ब्लडबैंक के सहयोग से सम्पन्न शिविर में छात्र-छात्राओं, शिक्षक एवं प्राचार्य सहित ४२ लोगों ने रक्तदान किया। छात्रों में अनुपम त्रिपाठी (एम.कॉम. प्रथम वर्ष), राहुल गिरि (बी.ए. प्रथम वर्ष), राहुल दूबे (बी.कॉम. प्रथम वर्ष), विजय यादव (बी.ए. प्रथम वर्ष) विदिशा शर्मा (बी.ए. द्वितीय वर्ष), विभा कुमारी (बी.एस-सी. प्रथम वर्ष), मयंक तिवारी (बी.ए. तृतीय वर्ष), राना शिवेन्द्र (बी.एस-सी. तृतीय वर्ष), सोमनाथ कन्नौजिया (बी.एड प्रथम वर्ष), कुन्ज बिहारी मिश्रा (बी.एड. प्रथम वर्ष) सूरज तिवारी (बी.ए. प्रथम वर्ष), अनिल कुमार चौहान (बी.ए. द्वितीय

रक्तदान करते छात्र एवं छात्राएं

वर्ष), सतीश साहनी (बी.काम. द्वितीय वर्ष) दुर्गेश कुमार (बी.ए. द्वितीय वर्ष), सिद्धार्थ कुमार शुक्ला (एम.कॉम. प्रथम वर्ष), कृष्णमोहन (बी.एड. प्रथम वर्ष), रिया राव (बी.ए. तृतीय वर्ष), संगीता वर्मा (बी. एड्. प्रथम वर्ष), मुकेश कुमार (बी.एड्. प्रथम वर्ष) ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह, नवनीत कुमार ने रक्तदान किया। शिक्षकों में डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र, अंशुमान सिंह, डॉ. मृत्युन्जय कुमार सिंह, डॉ. शिप्रा सिंह, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. अभिषेक सिंह, शैलेन्द्र कुमार सिंह, डॉ. राजेश कुमार शुक्ला, डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. शाक्ति सिंह, डॉ. यशवन्त कुमार राव, प्रदीप कुमार वर्मा, नन्दन शर्मा, वागीश राज पाण्डेय तथा प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा रक्तदान किया गया।

रक्तदान हेतु परीक्षण कराते शिक्षक

रसायन विज्ञान विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

२६ अक्टूबर को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा स्नातक स्तर पर एक दिवसीय व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सुश्री जूही पाण्डेय (बी.एस-सी. तृतीय वर्ष) ने प्रथम स्थान, श्री शुभम सिंह (बी.एस-सी तृतीय वर्ष) ने द्वितीय स्थान तथा सुश्री आयूषी सिंह (बी.एस-सी द्वितीय वर्ष) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में कुल ३८ विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभागी एवं निर्णायक गण

शैक्षिक कार्यशाला

२७ अक्टूबर को शिक्षकों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के तीन सत्रों में 'खुला सत्र, खुली चर्चा', 'वर्तमान सत्र में अध्ययन अध्यापन एवं नये प्रयोग, 'आगामी योजनाएँ एवं कार्यक्रम' विषय पर प्राचार्य की अध्यक्षता में सभी शिक्षकों ने सहभाग किया।

ई-पत्रिका ध्येय पथ का विमोचन कार्यक्रम

छात्रसंघ की साधारण सभा तथा मासिक-ई-पत्रिका का विमोचन

४ नवंबर को छात्रसंघ की साधारण सभा में मुख्य अतिथि समाजसेवी **श्री श्रीराम अग्रवाल** ने 'लक्ष्य की ओर' विषय पर व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में छात्रसंघ की मासिक ई-पत्रिका 'ध्येय पथ' का भी विमोचन हुआ।

रसायन विज्ञान में व्याख्यान प्रतियोगिता (स्नातकोत्तर स्तर)

रसायन विज्ञान विभाग द्वारा ६ नवम्बर को एम.एस-सी. के छात्र/छात्राओं के शैक्षणिक उन्नयन हेतु स्नातकोत्तर स्तर पर एक दिवसीय व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कुल १८ छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें राहुल चौरसिया (एम.एस-सी. अन्तिम वर्ष) प्रथम, आलोक मिश्रा (एम.एस-सी. अन्तिम वर्ष) द्वितीय तथा गोविन्द मद्धेशिया (एम.एस-सी. अन्तिम वर्ष) एवं अभिनव त्रिपाठी (एम.एस-सी. प्रथम वर्ष) ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभागी एवं विभाग के शिक्षकगण

राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रथम एक दिवसीय शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना के गुरू श्री गोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप ईकाई का प्रथम एक दिवसीय शिविर १३ नवम्बर को अभिगृहित गाँव में सम्पन्न हुआ। इसके अन्तर्गत स्वच्छता-साक्षरता हेतु जन-जागरण, श्रमदान के साथ बौद्धिक व्याख्यान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

जन जागरण रैली में स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं

संस्थापक-सप्ताह समारोह एवं युवा महोत्सव

१४ नवम्बर से २० नवम्बर तक महाविद्यालय का संस्थापक-सप्ताह समारोह एवं युवा महोत्सव सम्पन्न हुआ। इस साप्ताहिक आयोजन के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं यथा प्रश्नमंच, सामान्य ज्ञान, हिन्दी आशुभाषण, हिन्दी निबंध, कम्प्यूटर प्रश्नमंच, संस्कृत भाषण, हिन्दी-अंग्रेजी भाषण, रंगोली, मेंहदी, पोस्टर मेकिंग, हस्तकला, कबड्डी, वालीबाल, एथलेटिक्स सहित अन्य खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित हुई। कुछ प्रमुख आयोजन का विवरण निम्नांकित है -

वॉलीबाल प्रतियोगिता

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति वालीबाल एवं कबड्डी प्रतियोगिता

संस्थापक-सप्ताह समारोह के अन्तर्गत १४ नवम्बर को योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति वालीबाल एवं कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारम्भ रक्षा अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अंशुमान

सिंह द्वारा किया गया। वालीबाल प्रतियोगिता में **बालक वर्ग की ६ टीमों** तथा **बालिका वर्ग की ४ टीमों** ने प्रतिभाग किया। कबड्डी प्रतियोगिता में **बालक वर्ग की ५ टीमों** ने तथा **बालिका वर्ग में ३ टीमों** ने प्रतिभाग किया।

वालीबाल प्रतियोगिता बालक वर्ग में कला संकाय ने छात्र संघ को हराकर विजेता का सम्मान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में लक्ष्मीबाई टीम ने मीराबाई टीम को हराकर विजय प्राप्त किया। कबड्डी प्रतियोगिता में बालक वर्ग में छात्रसंघ की टीम को प्रथम स्थान तथा बालिका वर्ग में कला संवर्ग की टीम विजयी घोषित हुई।

राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ स्मृति संस्कृत भाषण प्रतियोगिता

१५ नवम्बर को संस्थापक-सप्ताह समारोह के अन्तर्गत राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ स्मृति संस्कृत भाषण प्रतियोगिता **'आतंकवादः भारतीय राजनीतिश्च'** विषय पर सम्पन्न हुयी। इस प्रतियोगिता में १० विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। आशीष उपाध्याय (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष) को प्रथम स्थान, आदर्श कुमार सिंह (एम.कॉम. द्वितीय वर्ष) को द्वितीय स्थान तथा राहुल दुबे (बी.कॉम. प्रथम वर्ष) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति 'एथलेटिक्स मीट'

१६ नवम्बर को संस्थापक-सप्ताह समारोह के अन्तर्गत महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति 'एथलेटिक्स मीट' का शुभारम्भ वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता श्री नन्दन शर्मा जी ने किया। १०० मी. की दौड़ प्रतियोगिता में **बालक वर्ग** में प्रदीप कुमार साहनी (बी.एस-सी. प्रथम वर्ष), पंकज कुमार यादव (बी.ए. प्रथम वर्ष) संतोष कुमार गुप्ता (बी.काम. तृतीय वर्ष) और **बालिका वर्ग** में श्रेयसी सिंह (बी.ए. द्वितीय वर्ष), खुशबू (बी.ए. प्रथम वर्ष) तथा प्रतिभा (बी.ए. प्रथम वर्ष) ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

गोला फेंकती छात्रा

भाला क्षेपण में मेहताब अली (बी.ए. तृतीय वर्ष), सिद्धार्थ शुक्ल (एम.कॉम प्रथम वर्ष) तथा अविनाश दूबे (बी.एस-सी. प्रथम वर्ष) ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। **लम्बी कूद** में **बालक वर्ग** में शुभम शर्मा (बी.कॉम. तृतीय वर्ष), शिवा मिश्रा (बी.ए. प्रथम वर्ष), अश्विनी प्रजापति (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष) और

ऊँची कूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता छात्र

बालिका वर्ग में कुसुम (बी.कॉम. प्रथम वर्ष), श्रेयसी (बी.ए. द्वितीय वर्ष) तथा खुशबू (बी.ए. प्रथम वर्ष) ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया।

गोला क्षेपण बालक वर्ग में शुभम शर्मा (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष), सिद्धार्थ पाण्डेय (बी.एस-सी. तृतीय वर्ष) एवं शिवा मिश्रा (बी.ए. प्रथम वर्ष) ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

निबन्ध प्रतियोगिता में छात्र एवं छात्राएं

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता

१७ नवम्बर को हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित हुयी, जिसका विषय 'काला धन एवं उसके प्रभाव' था। प्रतियोगिता में १६ छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। आशीष उपाध्याय (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष), अश्विनी कुमारी (बी.एस-सी. प्रथम वर्ष) एवं दृष्टि सिंह (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष) ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

रंगोली प्रतियोगिता में छात्रा

रंगोली प्रतियोगिता

१७ नवम्बर को सांस्कृतिक विभाग द्वारा रंगोली प्रतियोगिता आयोजित हुयी जिसमें कुल ७२ प्रतिभागियों की टीम ने प्रतिभाग किया। गरिमा जायसवाल (बी.ए. द्वितीय वर्ष) तथा मेनका चौहान (बी.ए. द्वितीय वर्ष) का ग्रुप एवं निशा वर्मा (बी.ए. तृतीय वर्ष) तथा पवन यादव (बी.ए. तृतीय वर्ष) की टीम को संयुक्त रूप से प्रथम, अंकिता श्रीवास्तव (एम.एस-सी. प्रथम वर्ष) तथा वैष्णवी मिश्रा (एम.एस-सी. प्रथम वर्ष) की टीम को द्वितीय और अभिषेक चौहान (बी.एस-सी. तृतीय वर्ष) एवं मधु सिंह (बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष) की टीम तथा वन्दना तिवारी (एम.कॉम. प्रथम वर्ष) तथा छवि राय (एम.कॉम. प्रथम वर्ष) की टीम संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रही।

भाषण प्रतियोगित में प्रतिभागी एवं निर्णायक

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता

१७ नवम्बर को अंग्रेजी विभाग द्वारा "Organised Corruption is threat to Internal Security" विषय पर अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में कुल १६ प्रतिभागियों ने भाग लिया। सोनल दूबे (बी.एस-सी. प्रथम

वर्ष) को प्रथम, रजत श्रीवास्तव (एम.कॉम. प्रथम वर्ष) तथा राज श्रीवास्तव (एम.कॉम. प्रथम वर्ष) को संयुक्त रूप से द्वितीय एवं आशुतोष चौहान (बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में परीक्षा देते विद्यार्थी

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

१८ नवम्बर को संस्थापक-सप्ताह समारोह के अन्तर्गत मनोविज्ञान विभाग द्वारा 'सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता' आयोजित हुयी। कुल २० छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। अमन कुमार सिन्हा (बी.एस-सी. तृतीय वर्ष), शैलेन्द्र प्रजापति (बी.ए. द्वितीय वर्ष) तथा बलवंत कुमार मौर्य (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

गायन प्रतियोगिता में बी.एड्. विभाग की छात्रा

गायन एवं पोस्टर प्रतियोगिता

१८ नवम्बर को गायन एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता सम्पन्न हुयी। **गायन** में २० छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया, जिसमें आकांक्षा (एम.एस-सी. प्रथम वर्ष) को प्रथम, वर्षा जायसवाल (बी.ए. द्वितीय वर्ष) तथा अभिषेक रंजन मिश्र (बी.एस-सी. प्रथम वर्ष) को संयुक्त रूप से द्वितीय एवं जूही पाण्डेय (बी.एस-सी. प्रथम वर्ष) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। **पोस्टर प्रतियोगिता** में कुल १८ प्रतिभागियों में गरिमा जायसवाल (बी.ए. तृतीय वर्ष) को प्रथम, प्रियंका गुप्ता (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को द्वितीय तथा मधु सिंह (बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष) एवं आरती गौड़ (बी.एस-सी. प्रथम वर्ष) को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

पोस्टर प्रतियोगिता में मूल्यांकन करते निर्णायक

आशुभाषण प्रतियोगिता

१८ नवम्बर को आशुभाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। १० प्रतिभागियों ने सहभाग किया। रजत कुमार श्रीवास्तव (एम.कॉम. प्रथम वर्ष), आशुतोष चौहान (बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष) एवं गायत्री सिंह चौहान (बी.ए. प्रथम वर्ष) को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता

१६ नवम्बर को 'प्रखर राष्ट्रवाद ही आतंकवाद एवं नक्सलवाद समस्या का समाधान है'' विषय पर हिन्दी

भाषण प्रतियोगिता सम्पन्न हुयी। इसमें कुल २० प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। रत्नेश नाथ योगी (बी.एस-सी. प्रथम वर्ष), आरती गौड़ (बी. एस-सी. प्रथम वर्ष) तथा आकाश कुमार यादव (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

मेंहदी प्रतियोगिता में प्रतिभागी एवं शिक्षकगण

मेंहदी एवं हस्तकला प्रतियोगिता

संस्थापक-सप्ताह समारोह के अन्तर्गत १६ नवम्बर को मेंहदी एवं हस्तकला प्रतियोगिता सम्पन्न हुयी। मेंहदी में प्रिया गुप्ता (बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष) एवं ज्योति निषाद (बी.कॉम. प्रथम वर्ष) को प्रथम, रूबीना खातून (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष) को द्वितीय तथा मोनिका रावत (बी.कॉम. प्रथम वर्ष) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। हस्तकला में वर्षा जायसवाल (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

महारानी लक्ष्मीबाई एवं श्रीमती इंदिरा गाँधी जयन्ती

१६ नवम्बर २०१६ को महाविद्यालय में महारानी लक्ष्मीबाई तथा भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी की जयन्ती मनाई गयी। समारोह में मुख्य अतिथि गया कालेज गया के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं दक्षिण एशियाई अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष **प्रो. महेश कुमार शरण** थे।

महाविद्यालय में निःशुल्क नेत्र शिविर

निःशुल्क नेत्र शिविर

गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के सहयोग से गुरू श्री गोरक्षनाथ सेवा संस्थान द्वारा महाविद्यालय में २० नवम्बर, दिन रविवार को निःशुल्क नेत्र शिविर सम्पन्न हुआ। शिविर का उद्घाटन अमर उजाला के सह सम्पादक **श्री मृगांक कुमार** ने किया। **डॉ. सी. एम. सिन्हा** की देख-रेख में सम्पन्न शिविर में ५६८ नेत्र रोगियों का परीक्षण किया गया तथा ५८ नेत्र रोगी आपरेशन हेतु चिन्हित किये गये। गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय में इन चिन्हित नेत्र रोगियों का आपरेशन किया गया। इस आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना के

महाविद्यालय में निःशुल्क नेत्र शिविर का उद्घाटन समारोह

स्वयंसेवक-सेविकाओं तथा बी.एड्. के विद्यार्थियों ने सेवाभाव से सहयोग किया।

अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा 2016

अतुल माहेवश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा देते विद्यार्थी

२० नवम्बर को गोरखपुर में अमर उजाला फाउंडेशन की ओर से आयोजित अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा २०१६ का परीक्षा केन्द्र महाविद्यालय रहा। इसमें १८६५ परीक्षार्थियों ने प्रतिभाग किया। नौ दृष्टि बाधित विद्यार्थियों ने भी परीक्षा में शिरकत की।

सम्पूर्ण साक्षरता कार्यक्रम

महाविद्यालय के तत्वावधान में आदर्श सांसद ग्राम डांगीपार में सम्पूर्ण साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डांगीपार, सांसद **योगी आदित्यनाथ जी** द्वारा सांसद आदर्श ग्राम योजना की तर्ज पर चुने गए ११ गाँवों में से एक है। बी.एड्. विभाग की प्राध्यापिका **श्रीमती शिप्रा सिंह** की देख-रेख में बी.एड. विभाग के ५० छात्र/छात्राओं ने १३ नवंबर से २६ नवम्बर तक सम्पूर्ण साक्षरता कार्यक्रम में डॉगीपार ग्राम के २१६ निरक्षर सदस्यों को सम्पूर्ण साक्षर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉगीपार के साक्षरता अभियान में प्रमाण पत्र देते पूज्य महाराज जी

बी.एड्. विभाग के तत्त्वावधान में आयोजित प्रतियोगितायें

आशुभाषण प्रतियोगिता

२८ नवम्बर को बी.एड्. विभाग के अन्तर्गत आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। रजत श्रीवास्तव (एम.कॉम. प्रथम वर्ष), आशुतोष चौहान (बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष) तथा आदित्यनाथ गुप्ता (बी.एड्. प्रथम वर्ष) को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

डॉगीपार में साक्षरता अभियान का एक केन्द्र

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

२८ नवम्बर को आयोजित इस प्रतियोगिता में कुल २० छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। अमन सिन्हा (बी.एस-सी. तृतीय वर्ष), बलवन्त मौर्य (बी.ए. द्वितीय वर्ष) तथा आदित्य गुप्ता (बी.एड्. प्रथम वर्ष) को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

प्रश्नमंच प्रतियोगिता

बी.एड्. विभाग के अन्तर्गत २८ नवम्बर को प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कुल ४ टीमों ने प्रतिभाग किया। अमन सिन्हा (बी.एस-सी. तृतीय वर्ष), संदीप कुमार सिंह (बी. एस-सी. तृतीय वर्ष) तथा नरेन्द्र साहनी (बी.एस-सी. तृतीय वर्ष) की टीम को प्रथम, शैलेन्द्र प्रजापति (बी.ए. द्वितीय वर्ष), शम्भू निषाद (बी.ए. प्रथम वर्ष), सुबोध यादव (बी.ए. द्वितीय वर्ष) तथा राधिका (बी.ए. तृतीय वर्ष) के टीम को द्वितीय एवं शिखा सिंह (बी.एड्. प्रथम वर्ष), उर्वशी चावला (बी.एड्. प्रथम वर्ष) एवं आदित्य गुप्ता (बी.एड्. प्रथम वर्ष) की टीम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागी एवं निर्णायक

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता

हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन २८ नवबंर को किया गया। रत्नेश नाथ योगी (बी.एस-सी. प्रथम वर्ष) को प्रथम, माधवी सिंह (बी.एस-सी. प्रथम वर्ष) को द्वितीय वं रजनी जायसवाल (बी.एड्. प्रथम वर्ष) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जन जागरण रैली

विश्व एड्स दिवस

एक दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस पर एक जन जागरुकता रैली का आयोजन तथा नुक्कड़ नाटक किया गया। रैली महाविद्यालय से निकलकर छोटकी रेतवहिया तथा मंझरिया में भ्रमण कर वापस महाविद्यालय पहुँची। महाविद्यालय में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए।

संस्थापक सप्ताह समारोह के उद्घाटन अवसर पर महाविद्यालय

संस्थापक-सप्ताह समारोह : शोभा यात्रा (महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद)

१९८१ से प्रतिवर्ष ४ से १० दिसम्बर तक महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का संस्थापक-सप्ताह समारोह मनाया जाता है। ४ दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक-सप्ताह

समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में निकलने वाली **शोभायात्रा** में महाविद्यालय अपनी पूरी तैयारी से सम्मिलित हुआ। शोभायात्रा में सर्जिकल स्ट्राइक, नोटबंदी, स्वच्छ भारत अभियान, डिजिटल इंडिया, कौशल विकास, स्टार्टप इंडिया और प्रदूषण समेत तमाम सामयिक मुद्दों को झाँकियों द्वारा प्रदर्शित किया गया। महाविद्यालय को श्रेष्ठतम् पथ संचलन एवं अनुशासन में सर्वाधिक अंक प्राप्त हुआ।

पोस्टर प्रतियोगिता

६ दिसम्बर २०१६ को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुण्यतिथि पर, ''युवाओं में सामाजिक दायित्व-बोध तथा स्वच्छता'' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभागीगण

संस्थापक-सप्ताह समारोह मुख्य महोत्सव

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक-सप्ताह समारोह का मुख्य महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह १० दिसम्बर को सम्पन्न हुआ। इसमें महाविद्यालय ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में साढ़े छह सौ प्रतिभागियों को नकद, शील्ड और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के श्री अभिनव त्रिपाठी (एम.एस-सी. प्रथम वर्ष) को **ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ स्वर्ण पदक** प्राप्त हुआ। कम्प्यूटर प्रश्नमंच प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त होने पर महाविद्यालय की टीम को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। **कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता** में महाविद्यालय के जयकृष्ण वर्मा (बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष), अभय कुमार पटेल (बी. एस-सी. तृतीय वर्ष), शुभम् श्रीवास्तव (बी.एस-सी. तृतीय वर्ष) तथा दृष्टि जायसवाल (बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष) की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। **कबड्डी प्रतियोगिता** (बालिका वर्ग) में महाविद्यालय की टीम उप विजेता रही।

मुख्य महोत्सव में स्वर्ण पदक प्राप्त करता विद्यार्थी

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की तरफ से विशेष छात्रवृत्ति खुशबू कुमारी एवं रिंकी गुप्ता (बी.एस-सी. प्रथम वर्ष), दृष्टि जायसवाल एवं अभय सिंह (बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष), आंचल कर्ण, रिचा श्रीवास्तव, सीबा खातून एवं कालीशंकर पाण्डेय (बी.एस-सी. तृतीय वर्ष), प्रियंका भारती एवं जूली मौर्या (बी.ए. प्रथम वर्ष), श्वेता सिंह, प्रियंका गुप्ता एवं सीमा प्रजापति (बी.ए. द्वितीय वर्ष), नन्दिनी गुप्ता एवं पूजा कुमारी (बी.ए. तृतीय वर्ष), प्रियांशी राज एवं

नेहा यादव (बी.कॉम प्रथम वर्ष), नितिन तिवारी एवं अभिषेक यादव (बी.कॉम द्वितीय वर्ष), अभिनव त्रिपाठी एवं रिशिका श्रीवास्तव (एम.एस-सी. प्रथम वर्ष), श्री आलोक कुमार मिश्रा एवं दीक्षा पाण्डेय (एम.एस-सी. अन्तिम वर्ष), अनुनय चौधरी (एम.ए. प्रथम वर्ष, राजनीतिशास्त्र), आशीष राय (एम.ए. अन्तिम वर्ष, प्राचीन इतिहास), सुश्री कल्पना पाण्डेय (एम.कॉम. अन्तिम वर्ष), कृष्ण मोहन एवं राहुल सिंह (बी.एड्. प्रथम वर्ष), प्रिया चौधरी एवं वन्दना सिंह (बी.एड्. अन्तिम वर्ष) को प्राप्त हुआ।

विजय दिवस समारोह

१६ दिसम्बर को विजय दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए **प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव** ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा की जा रही क्रूरता और दमन के विरूद्ध १९७१ में भारतीय सेना का अभियान विश्व इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखी जाने वाली घटना है। कार्यक्रम की प्रस्तावना **श्रीमती कविता मन्ध्यान** ने तथा आभार ज्ञापन **डा. आरती सिंह** ने किया। संचालन एम.ए. अन्तिम वर्ष के छात्र **श्री आशीष राय** ने किया।

विजय दिवस के कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी

राम प्रसाद बिस्मिल एवं अशफाक उल्ला खां बलिदान दिवस

१६ दिसम्बर को देश की आजादी के नायक पं. राम प्रसाद बिस्मिल व अशफाक उल्ला खां ने अपने बलिदान से इस देश को अंग्रेजों की दासता से मुक्त कराने में सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इस त्याग, बलिदान एवं समर्पण को याद करते हुए रा.से.यो. के तत्त्वावधान में व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर **श्री प्रकाश प्रियदर्शी** ने अपना विचार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में व्याख्यान देते श्री प्रकाश प्रियदर्शी

विज्ञान प्रदर्शनी

१७ दिसम्बर २०१६ को योगिराज बाबा गम्भीरनाथ पुण्यतिथि शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। उद्घाटन प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया। ७१

विज्ञान प्रदर्शनी का निरीक्षण करते प्राचार्य एवं अन्य शिक्षकगण

विद्यार्थियों ने ५२ मॉडलों के साथ प्रतिभाग किया। प्रदर्शनी में समीर कुमार पाण्डेय, सैफ खान तथा ऋषि सैनी के मॉडलों को प्रथम पुरस्कार, विशाल कुमार, अखिलेश सिंह एवं विनय प्रताप सिंह का ग्रुप तथा अंजलि निषाद, शोभा गौतम एवं निर्मला चौरसिया का ग्रुप संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान पर रहा। निर्णायक मंडल में डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, डॉ. अरूण कुमार राव एवं श्री विरेन्द्र तिवारी शामिल थे। प्राणि विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. आर.एन. सिंह तथा कार्यक्रम संयोजक श्री विनय कुमार सिंह का प्रतिभागियों की तैयारी में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यशाला को सम्बोधित करते डॉ. शैलेश कुमार द्विवेदी

एक दिवसीय कार्यशाला

२० दिसम्बर को वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशला का आयोजन किया गया। विषय ''वित्तीय साक्षरता एवं जागरूकता'' था। इसमें सेबी के प्रशिक्षक **डा. शैलेश कुमार द्विवेदी** ने कैशलेस ट्रांजेक्शन, डिटिजल इंडिया, बचत, विनियोग, डी-मैट आदि से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों को दी। संचालन श्री वागीश राज पांडेय तथा आभार सुश्री प्रगति पाण्डेय ने किया।

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी

महाराजा छत्रसाल पुण्यतिथि

२० दिसम्बर को महाराजा छत्रसाल की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर प्राचार्य **डा. प्रदीप कुमार राव** ने राजा छत्रसाल के जीवन के प्रेरणादायी प्रसंगों को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन **श्री सुबोध मिश्र** ने किया।

महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति कैनवास बॉलक्रिकेट प्रतियोगिता

२० एवं २१ दिसम्बर को महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति कैनवास बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ समाजशास्त्र विभाग के प्रभारी **डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी** ने किया। कुल सात टीमों ने प्रतिभाग किया। फाइनल मैच कला संकाय तथा छात्रसंघ के बीच हुआ, जिसमें कला संकाय विजयी रही। क्रीडा प्रभारी **डॉ. मृत्युंजय सिंह** ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।

क्रिकेट प्रतियोगिता में ट्राफी प्राप्त करता टीम कप्तान

गणित दिवस

२२ दिसम्बर को राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में गणित एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। ४० विद्यार्थियों ने श्रीनिवास रामानुजन के जीवनी, शोध पत्र एवं सूत्रों को पोस्टर के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन कम्प्यूटर साइंस विभाग के प्रभारी डॉ. वीरेन्द्र तिवारी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन गणित विभाग के प्रभारी श्री श्रीकांत मणि त्रिपाठी ने किया।

शैक्षिक भ्रमण

२३ दिसम्बर को हिन्दी विभाग के २० विद्यार्थी 'शैक्षिक भ्रमण' पर कुशीनगर गए। विद्यार्थियों ने महात्मा बुद्ध के परिनिर्वाण स्थल के साथ रामाभार स्तूप तथा अन्य ऐतिहासिक स्थलों के दर्शन किए।

मदन मोहन मावलीय जयन्ती के अवसर पर उपस्थित श्रोतागण

महामना मदन मोहन मालवीय जयंती

मदन मोहन मालवीय जयंती की पूर्व संध्या पर २४ दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में **डॉ. अविनाश प्रताप सिंह** ने कहा कि मदन मोहन मालवीय भारत के शैक्षणिक जगत के चमकते सितारे थे। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम को शिक्षा के माध्यम से नई दिशा प्रदान की। संचालन **श्री राहुल गिरी** ने किया।

फतेह सिंह व जोरावर सिंह बलिदान दिवस

२६ दिसम्बर को गुरू गोविन्द सिंह के दो पुत्रों फतेह सिंह व जोरावर सिंह जैसे दो देश भक्तों को औरंगजेब ने मुस्लिम धर्म स्वीकार करने के लिए बाध्य किया। परन्तु इन दोनों ने इसका प्रतिकार किया। फलस्वरूप औरंगजेब के सूबेदार वजीर खान ने इन दोनों बच्चों को जिन्दा दीवार में चुनवा दिया। इन दोनों गुरूपुत्रों के बलिदान को याद करते हुए महाविद्यालय परिवार ने बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में पी.पी.टी. पर व्याख्यान देती छात्रा

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

२६ दिसम्बर २०१६ को महाविद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उद्घाटन **डा. अभय कुमार श्रीवास्तव** ने किया। उन्होंने कहा कि जैव

प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से पौधों की उत्पादकता एवं गुणों में अभिवृद्धि की जा सकती है। प्रतियोगिता में २४ विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। माधवी सिंह (बी.एस-सी. प्रथम वर्ष) एवं जूही पांडेय (बी.एस-सी. तृतीय वर्ष) को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान मिला, देवेन्द्र पाण्डेय (बी.एस-सी. प्रथम वर्ष) को द्वितीय स्थान तथा कशिश सिंह (बी.एस-सी. तृतीय वर्ष) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। आभार ज्ञापन **सुश्री आम्रपाली** वर्मा ने किया।

हिन्दी विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

हिन्दी व्याख्यान प्रतियोगिता

२८ दिसम्बर २०१६ को हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह द्वारा हिन्दी व्याख्यान प्रतियोगिता आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में २१ छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। दीप्ति पाण्डेय (बी.ए. तृतीय वर्ष) को प्रथम, सुमन प्रजापति (बी.ए. तृतीय वर्ष) को द्वितीय तथा सुषमा (बी.ए. तृतीय वर्ष) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। **डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव** एवं **श्रीमती शिप्रा सिंह** ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

संग्रहालय के शिलान्यास कार्यक्रम में
केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा एवं पूज्य महाराज जी

शैक्षिक भ्रमण

२९ दिसम्बर को महाविद्यालय के कला संकाय के सभी प्राध्यापकों सहित समस्त विद्यार्थी स्थानीय शैक्षिक भ्रमण के अन्तर्गत गुरु श्री गोरक्षनाथ मन्दिर गए। शैक्षणिक भ्रमण के अन्तर्गत श्री गोरक्षनाथ संग्रहालय के शिलान्यास अवसर पर आयोजित व्याख्यान में भी सम्मिलित हुए।

वनस्पति विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी

३ जनवरी २०१७ को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में कुल ५० विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रदर्शनी में प्रिया विश्वकर्मा एवं अखिलेश सिंह, (बी.एस-सी. प्रथम वर्ष) को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान, सोनी चौहान (बी.एस-सी. तृतीय वर्ष) को द्वितीय स्थान एवं बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की सोनल दूबे को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

वनस्पति विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते प्राचार्य

ऊनी वस्त्र वितरण कार्यक्रम

४ जनवरी २०१७ ई. को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्त्वावधान में अभिग्रहित गाँव मंझरिया एवं जंगल धूसड़ के **११६ परिवारों** के बच्चों, बुजुर्गों एवं महिलाओं को महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा **ऊनी वस्त्रों का वितरण** किया गया।

गुरू गोविन्द सिंह जयन्ती की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम

४ जनवरी को दसवें सिख गुरू, सिख खालसा सेना के संस्थापक तथा धर्म एवं देश के लिए समस्त परिवार का बलिदान देने वाले भारतीय संस्कृति के उन्नायक गुरू गोविन्द सिंह जी को, उनकी जयन्ती की पूर्व संध्या पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये गए।

व्याख्यान देते प्रो. दिनेश कुमार सिंह

प्राणि विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

७ जनवरी को प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग के **प्रोफेसर दिनेश कुमार सिंह** द्वारा ''Living on the new earth'' विषय पर व्याख्यान दिया गया।

हिन्दी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

१० जनवरी को हिन्दी विभाग द्वारा ''प्रयोजन मूलक हिन्दी में जनसंचार माध्यमों की भूमिका'' विषय पर प्रतिष्ठित साहित्यकार सतीश चन्द्र पी.जी. कालेज बलिया के हिन्दी विभाग के पूर्व आचार्य एवं संकायाध्यक्ष **डा. आद्या प्रसाद द्विवेदी** का व्याख्यान सम्पन्न हुआ।

हिन्दी विभाग में व्याख्यान देते डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी

विश्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालय का सम्मान

१० जनवरी को गोरखपुर विश्वविद्यालय के संवाद भवन में **कुलपति प्रो. अशोक कुमार** द्वारा विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक गतिविधियों में महाविद्यालय की सहभागिता एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा युवा महोत्सव में राज्य स्तरीय पुरस्कार प्राप्त करने पर महाविद्यालय को सम्मानित किया गया। उक्त सम्मान प्राचार्य ने प्राप्त किया।

अंग्रेजी विभाग द्वारा दो दिवसीय व्याख्यान प्रतियोगिता

अंग्रेजी विभाग के व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभागी

११ जनवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा दो दिवसीय व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। २३ विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। सत्यम मिश्रा, (बी.ए. प्रथम वर्ष) को प्रथम, गरिमा जायसवाल (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को द्वितीय, रोली कुमारी (बी.ए. प्रथम वर्ष) को तृतीय एवं दिव्यम् श्रीवास्तव तथा विवेक विश्वकर्मा (बी.ए. प्रथम वर्ष) को संयुक्त रूप से सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

स्वामी विवेकानन्द जयंती की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्त्वावधान में कम्बल वितरण कार्यक्रम

११ जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा स्वामी विवेकानन्द जयन्ती की पूर्व संध्या पर मंझरिया गाँव में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ४० परिवारों के बुजुर्गों एवं महिलाओं को कंबल भी भेंट किया गया।

भारत-भारती पखवारा

१२ से २६ जनवरी तक भारत भारती पखवारा मनाया गया। जिसके अंतर्गत निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया -

विवेकानन्द जयन्ती पर विशिष्ट व्याख्यान

स्वामी विवेकानन्द जयन्ती समारोह को सम्बोधित करते डॉ. ओमजी उपाध्याय

१२ जनवरी को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती समारोह कार्यक्रम में इतिहास संकलन समिति के प्रदेश सचिव व नवल्स डिग्री कालेज के प्राचार्य **डा. ओम जी उपाध्याय** मुख्य अतिथि रहे।

स्वामी विवेकानन्द जी की जीवन पर आधारित प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता

१२ जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्त्वावधान में स्वामी विवेकानन्द जी की जीवनी पर आधारित प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें दुर्गेश कुमार (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को प्रथम स्थान, मनोरमा प्रजापति (बी.कॉम द्वितीय वर्ष) को द्वितीय स्थान एवम् कुमारी सोनी (बी.ए. द्वितीय वर्ष), रवि प्रताप नागवंशी (बी.ए. द्वितीय वर्ष) एवं खुशबू कुमारी

(बी.ए. प्रथम वर्ष) को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता

१३ जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा ''युवाओं में सामाजिक दायित्व बोध'' विषय पर हिन्दी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कुल ४० विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। आदित्य कुमार गुप्ता, (बी.एड्. प्रथम वर्ष) को प्रथम, ऋषभ कुमार शर्मा (बी.कॉम तृतीय वर्ष) को द्वितीय एवं शिखा सिंह (बी.एड्. प्रथम वर्ष) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभागी

मनोविज्ञान विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

१३ जनवरी को मनोविज्ञान विभाग द्वारा व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कुल ३१ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर समीर कुमार पाण्डेय (बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष), द्वितीय स्थान पर प्रतिभा भारती (बी.ए. तृतीय वर्ष), तृतीय स्थान पर सुष्मिता प्रजापति (बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष) एवं रीतू सिंह (बी.एस-सी. प्रथम वर्ष), सैफ खान (बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष), पूजा कुमारी (बी.ए. तृतीय वर्ष) तथा वैशाली मिश्रा (बी.ए. तृतीय वर्ष) को संयुक्त रूप से सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ के रूप में अखिल भाग्य पी.जी. कालेज के मनोविज्ञान विभाग के प्रवक्ता **डॉ. अभय प्रताप सिंह** ने 'संगठनात्मक प्रतिबद्धता' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में डॉ. अभय प्रताप सिंह

गोरखनाथ मन्दिर में सेवा कार्य

१५ जनवरी एवं १७ जनवरी को गोरखनाथ मन्दिर के खिचड़ी मेला में श्रद्धालुओं का राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं ने भगवान गुरु गोरखनाथ जी का दर्शन कराने में सहयोग किया।

गोरखनाथ मन्दिर में श्रद्धालुओं की सेवा के लिए तैयार स्वयंसेवक

भौतिक विज्ञान एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

१६ जनवरी को भौतिक विज्ञान एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। कुल ३०

प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जया त्रिपाठी (बी.एस-सी प्रथम वर्ष) को प्रथम, शुभम सिंह (बी.एस-सी. तृतीय वर्ष) को द्वितीय तथा शिप्रा शर्मा (बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष) एवं बृजेश प्रजापति (बी.एस-सी प्रथम वर्ष) को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

प्रतिभागियों को सम्बोधित करते भौतिकी प्रवक्ता शैलेन्द्र कुमार ठाकुर

पोस्टर प्रतियोगिता

१६ जनवरी को भारत भारती पखवारे के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा ''नोट बंदी एवं काला धन'' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में ८६ प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

हिन्दी विभाग की कार्यशाला

१६ जनवरी को हिन्दी विभाग द्वारा ''हिन्दी भाषा की वर्तमान स्थिति एवं भविष्य'' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें हिंदी विभाग के कुल ३६ विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

काव्य-पाठ प्रतियोगिता

१७ जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं सांस्कृतिक विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में काव्य-पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुल २० विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। सत्यम वर्मा (एम.कॉम. प्रथम वर्ष) को प्रथम, बृजेश त्रिपाठी (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को द्वितीय एवं रिंकी रानी (बी.एड्. द्वितीय वर्ष) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

हिन्दी विभाग में कार्यशाला के अवसर पर प्रतिभागी

गायन प्रतियोगिता

१७ जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं सांस्कृतिक विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुल २५ विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। आकांक्षा सिंह (एम.एस-सी. प्रथम वर्ष) को प्रथम, रोहित वर्मा एवं सत्यम वर्मा (एम.कॉम. द्वितीय वर्ष) को संयुक्त रूप से द्वितीय एवं वर्षा जायसवाल (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

राजनीतिशास्त्र विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

१८-१६ जनवरी को राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता

में २५ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। अलका श्रीवास्तव (एम.ए. प्रथम वर्ष) को प्रथम, राहुल पासवान (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को द्वितीय एवं राहुल गिरी (बी.ए. प्रथम वर्ष) शंभू निषाद (बी.ए. द्वितीय वर्ष) एवं रवि प्रताप नागवंशी (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

राजनीतिशास्त्र विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता के प्रतिभागी

गृह विज्ञान विभाग में दो दिवसीय कार्यशाला

१८-१९ जनवरी को गृह विज्ञान विभाग द्वारा ''महिला उद्यमिता'' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला ''सृजन'' का आयोजन किया गया। जिसमें ७० विद्यार्थी उपस्थित रहे। इसका उद्घाटन पेडेलाइट कंपनी के अधिकारी **श्री अनिल प्रजापति** ने किया। कार्यशाला का समापन १९ जनवरी को सम्पन्न हुआ।

गृहविज्ञान विभाग में कार्यशाला

भाषण प्रतियोगिता

१८ जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्त्वावधान में 'रोजगारपरक शिक्षा एवं राष्ट्रीयता' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कुल २३ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

रक्षा अध्ययन विभाग में प्रदर्शनी

रक्षा अध्ययन विभाग में प्रदर्शनी का निरीक्षण करते निर्णायक

१८ जनवरी को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें ४० विद्यार्थियों ने अपने-अपने मॉडल प्रस्तुत किए। सोनल दूबे (बी.एस-सी. प्रथम वर्ष) प्रथम, संदीप प्रजापति (बी.ए. तृतीय वर्ष) को द्वितीय एवं रत्नेश नाथ योगी (बी.एस-सी. प्रथम वर्ष) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के शोध छात्र **सर्वश्री विजय कुमार, इन्द्रजीत कुमार, संजय गौतम, अमित त्रिपाठी, रोशन कुमार, मदन मोहन शुक्ला** ने इस प्रदर्शनी का निर्णायक के रूप में निरीक्षण किया। प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करते हुए शोध छात्रों ने विद्यार्थियों के इस नूतन प्रयास की प्रशंसा की।

महाराणा प्रताप पुण्य तिथि का आयोजन

महाराणा प्रताप पुण्यतिथि के अवसर पर अतिथिगण

१६ जनवरी को महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर आयोजित समारोह में **डा. श्याम नारायण मिश्र** ने महाराणा प्रताप के चरित्र से सम्बन्धित स्वरचित महाकाव्य का पाठ किया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि साहित्यकार **डा. वेद प्रकाश पाण्डेय** का विद्वतापूर्ण व्याख्यान हुआ। दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के प्राचार्य **डा. शैलेन्द्र प्रताप सिंह** ने अध्यक्षता की।

बी.एड्. विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिताएँ

भारत-भारती पखवारा में मॉडल स्कूल के विद्यार्थी

भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज जंगल धूसड़ के मॉडल विद्यालय महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज जंगल-धूसड़ में १६ जनवरी को बी.एड्. विभाग द्वारा हिन्दी निबन्ध, चित्रकला तथा संगीत एकल गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के कक्षा ६ से ८ तक के छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन बी.एड्. विभाग की प्रवक्ता सुश्री अंजलि द्वारा किया गया। इनके नेतृत्व में बी.एड्. द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापक/छात्राध्यापिकाओं ने इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता में मॉडल स्कूल के विद्यार्थी

मॉडल विद्यालय द्वारा १६ जनवरी २०१७ को एक हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित किया गया, जिसका शीर्षक था ''अपना देश''। इस प्रतियोगिता में कक्षा ६ से ८ तक के कुल २५ छात्र/छात्राओं ने बड़े ही उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। छठवीं कक्षा के हिमांशु पाण्डेय व अविनाश तिवारी प्रथम स्थान एवं आरूषि गुप्ता ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सातवीं कक्षा में सुमित गुप्ता प्रथम व निखिल गोंड ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया एवं आठवीं कक्षा में निकिता निषाद प्रथम, शीतल गुप्ता एवं रीमा प्रजापति ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

महाराणा प्रताप पुण्य तिथि का आयोजन

१९ जनवरी को महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर आयोजित समारोह में **डा. श्याम नारायण मिश्र** ने महाराणा प्रताप के चरित्र से सम्बन्धित स्वरचित महाकाव्य का पाठ किया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि साहित्यकार **डा. वेद प्रकाश पाण्डेय** का विद्वतापूर्ण व्याख्यान हुआ। दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के प्राचार्य **डा. शैलेन्द्र प्रताप सिंह** ने अध्यक्षता की।

समाजशास्त्र विभाग के शोध व्याख्यान प्रतियोगिता की प्रतिभागी

बी.एड. विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिताएँ

भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज जंगल धूसड़ के मॉडल विद्यालय महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज जंगल-धूसड़ में १९ जनवरी को बी.एड. विभाग द्वारा हिन्दी निबन्ध, चित्रकला तथा संगीत एकल गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के कक्षा ६ से ८ तक के छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन बी.एड. विभाग की प्रवक्ता सुश्री अंजलि द्वारा किया गया। इनके नेतृत्व में बी.एड. द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापक/छात्राध्यापिकाओं ने इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चित्रकला प्रतियोगिता में मॉडल स्कूल के विद्यार्थी

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता

मॉडल विद्यालय द्वारा १९ जनवरी २०१७ को एक हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित किया गया, जिसका शीर्षक था "अपना देश"। इस प्रतियोगिता में कक्षा ६ से ८ तक के कुल २५ छात्र/छात्राओं ने बड़े ही उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। छठवीं कक्षा के हिमांशु पाण्डेय व अविनाश तिवारी प्रथम स्थान एवं आरूषि गुप्ता ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सातवीं कक्षा में सुमित गुप्ता प्रथम व निखिल गोंड ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया एवं आठवीं कक्षा में निकिता निषाद प्रथम, शीतल गुप्ता एवं रीमा प्रजापति ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

कैशलेस डिजिटल कार्यशाला को सम्बोधित करते श्री सुरेश कुमार

समाजशास्त्र विभाग द्वारा दो दिवसीय शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

१६-२० जनवरी को समाजशास्त्र विभाग द्वारा दो दिवसीय शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुल २४ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इसमें प्रथम स्थान पर पूजा चौहान (बी.ए. द्वितीय वर्ष) द्वितीय स्थान पर मनीता चौहान (बी.ए. द्वितीय वर्ष) एवं तृतीय स्थान पर शिवानी शुक्ला (बी.ए. प्रथम वर्ष) रहीं।

व्याख्यान कार्यक्रम में मंचासीन डॉ. उपेन्द्र श्रीवास्तव

चित्रकला प्रतियोगिता

मॉडल विद्यालय द्वारा २० जनवरी २०१७ को आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यालय के कुल ५० छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें छठवीं कक्षा के सूरज प्रजापति ने प्रथम, अविनाश तिवारी ने द्वितीय एवं शिवानी निषाद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सातवीं कक्षा के अमेरिका निषाद ने प्रथम, ज्योति प्रजापति एवं खुश्बू प्रजापति ने द्वितीय स्थान एवं सुमित गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बैडमिण्टन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

कैशलेस डिटिजल कार्यशाला

२० जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में वित्तीय साक्षरता केन्द्र के सहयोग से आयोजित बैंकिंग पेमेण्ट एवं कैशलेस डिजिटल कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को एस.बी.आई. के पूर्व मुख्य प्रबन्धक श्री सुरेश कुमार जी एवं मुख्य वक्ता वित्तीय-साक्षरता केन्द्र के परामर्शदाता श्री बृजमोहन सिंह जी ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा कर्मचारियों को डिजिटल बैंकिंग की विविध विधाओं का प्रशिक्षण दिया।

भौतिक विज्ञान विभाग में पोस्टर प्रतियोगिता

२० जनवरी को भौतिक विज्ञान विभाग में "रोल ऑफ फिजिक्स इन कम्यूनिकेशन / इन्फारमेशन टेक्नॉलजी" विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुल २० प्रतिभागियों ने प्रतिभाग

शैक्षिक भ्रमण पर गए साइंस सिटी लखनऊ में रसायन शास्त्र विभाग के विद्यार्थी

महाराणा प्रताप पुण्य तिथि का आयोजन

१६ जनवरी को महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर आयोजित समारोह में **डा. श्याम नारायण मिश्र** ने महाराणा प्रताप के चरित्र से सम्बन्धित स्वरचित महाकाव्य का पाठ किया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि साहित्यकार **डा. वेद प्रकाश पाण्डेय** का विद्वतापूर्ण व्याख्यान हुआ। दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के प्राचार्य **डा. शैलेन्द्र प्रताप सिंह** ने अध्यक्षता की।

व्याख्यान देते प्रो. महेश कुमार शरण

बी.एड. विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिताएँ

भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज जंगल धूसड़ के मॉडल विद्यालय महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज जंगल-धूसड़ में १६ जनवरी को बी.एड. विभाग द्वारा हिन्दी निबन्ध, चित्रकला तथा संगीत एकल गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के कक्षा ६ से ८ तक के छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन बी.एड. विभाग की प्रवक्ता सुश्री अंजलि द्वारा किया गया। इनके नेतृत्व में बी.एड. द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापक/छात्राध्यापिकाओं ने इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संगोष्ठी में अपना शोध व्याख्यान प्रस्तुत करती भूगोल विभाग की छात्रा

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता

मॉडल विद्यालय द्वारा १६ जनवरी २०१७ को एक हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित किया गया, जिसका शीर्षक था ''अपना देश''। इस प्रतियोगिता में कक्षा ६ से ८ तक के कुल २५ छात्र/छात्राओं ने बड़े ही उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। छठवीं कक्षा के हिमांशु पाण्डेय व अविनाश तिवारी प्रथम स्थान एवं आरूषि गुप्ता ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सातवीं कक्षा में सुमित गुप्ता प्रथम व निखिल गोंड ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया एवं आठवीं कक्षा में निकिता निषाद प्रथम, शीतल गुप्ता एवं रीमा प्रजापति ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

मैप डाइंग करते छात्र एवं छात्राएं

समाजशास्त्र विभाग द्वारा दो दिवसीय शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

१९-२० जनवरी को समाजशास्त्र विभाग द्वारा दो दिवसीय शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुल २४ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इसमें प्रथम स्थान पर पूजा चौहान (बी.ए. द्वितीय वर्ष) द्वितीय स्थान पर मनीता चौहान (बी.ए. द्वितीय वर्ष) एवं तृतीय स्थान पर शिवानी शुक्ला (बी.ए. प्रथम वर्ष) रहीं।

एकल गायन प्रतियोगिता में मॉडल स्कूल के विद्यार्थी

चित्रकला प्रतियोगिता

मॉडल विद्यालय द्वारा २० जनवरी २०१७ को आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यालय के कुल ५० छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें छठवीं कक्षा के सूरज प्रजापति ने प्रथम, अविनाश तिवारी ने द्वितीय एवं शिवानी निषाद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सातवीं कक्षा के अमेरिका निषाद ने प्रथम, ज्योति प्रजापति एवं खुश्बू प्रजापति ने द्वितीय स्थान एवं सुमित गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कैशलेस डिटिजल कार्यशाला

२० जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में वित्तीय साक्षरता केन्द्र के सहयोग से आयोजित बैंकिंग पेमेण्ट एवं कैशलेस डिजिटल कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को एस.बी.आई. के पूर्व मुख्य प्रबन्धक श्री सुरेश कुमार जी एवं मुख्य वक्ता वित्तीय-साक्षरता केन्द्र के परामर्शदाता श्री बृजमोहन सिंह जी ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा कर्मचारियों को डिजिटल बैंकिंग की विविध विधाओं का प्रशिक्षण दिया।

सुभाषचन्द्र बोस जयन्ती पर व्याख्यान देते प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी

भौतिक विज्ञान विभाग में पोस्टर प्रतियोगिता

२० जनवरी को भौतिक विज्ञान विभाग में ''रोल ऑफ फिजिक्स इन कम्यूनिकेशन / इन्फारमेशन टेक्नॉलजी'' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुल २० प्रतिभागियों ने

मतदाता जागरूकता मशाल कार्यक्रम में मंचन करते टीम के सदस्य

महन्त अवेद्यनाथ स्मृति बालीबाल प्रतियोगिता

२४ जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं क्रीड़ा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में महन्त अवेद्यनाथ स्मृति वालीबाल प्रतियोगिता सम्पन्न हुयी। प्रतियोगिता का फाइनल मैच कला संकाय और विज्ञान संकाय के मध्य खेला गया, जिसमें विज्ञान संकाय विजयी घोषित हुआ।

राष्ट्रीय सेवा योजना का तृतीय एक दिवसीय शिविर

२४ जनवरी को रा.से.यो. के तृतीय एक दिवसीय शिविर सम्पन्न हुआ। श्री गुरू गोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के सभी स्वयंसेवक / सेविकाएं शिविर में सम्मिलित हुए। इसके अंतर्गत ग्राम सभा मंझरिया में साक्षरता, एवं मलिन बस्तियों में स्वच्छता हेतु जन-जागरण किया गया।

एकदिवसीय शिविर में अभिगृहीत गाँव मंझरिया में स्वच्छता अभियान

राजनीति विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

२५ जनवरी को राजनीतिशास्त्र विभाग में ''लोकतंत्र में मताधिकार का मूल्य'' विषय पर **प्रो. राजेश कुमार सिंह**, पूर्व अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान, दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि., गोरखपुर ने व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में राजनीतिशास्त्र विषय के स्नातक एवं परास्नातक के समस्त विद्यार्थी एवं शिक्षकगण सम्मिलित हुए।

मतदाता दिवस के अवसर पर राजनीतिशास्त्र विभाग में व्याख्यान देते प्रो. राजेश कुमार सिंह

गृह विज्ञान विभाग में ''कुकिंग कॉम्पटीशन'' का आयोजन

२५ जनवरी को गृहविज्ञान विभाग के बी.ए. प्रथम वर्ष के कुल २२ विद्यार्थियों द्वारा ''कुकिंग कॉम्पटीशन'' में प्रतिभाग किया गया। जिसमें चंदा गुप्ता प्रथम, पुष्पा निषाद द्वितीय, खूशबू त्रिपाठी तृतीय एवं अनामिका सिन्हा चतुर्थ स्थान प्राप्त कीं।

अंग्रेजी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

२५ जनवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा व्याख्यान का आयोजन किया गया। ''मॉडर्निज्म'' विषय पर **डा. निलिमा दूबे** (प्रवक्ता,

कार्यशाला में प्रतिभाग करती गृह विज्ञान की छात्राएं

अंग्रेजी विभाग, भगवान दत्त डिग्री कॉलेज, चौरीचौरा) का व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम में अंग्रेजी विभाग के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अंग्रेजी विभाग में व्याख्यान देती डॉ. निलिमा दूबे

गणतंत्र दिवस समारोह के साथ भारत-भारती पखवारे का समापन

गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के डी.ए.वी. कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग के पूर्व आचार्य **श्री राज कुमार भाटिया जी** एवं विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रान्त संगठन मंत्री **श्री कमलनयन** सम्मिलित हुए। राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के भव्य समारोह के साथ १२ जनवरी से प्रारम्भ भारत-भारती पखवारे का हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत सम्पन्न सभी प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह में पुरस्कृत विद्यार्थी

भूगोल विभाग का शैक्षणिक पर्यटन

भूगोल विभाग द्वारा २५ जनवरी से ३ फरवरी तक बी.ए./बी. एस-सी. तृतीय वर्ष के समस्त विद्यार्थियों का **शैक्षणिक पर्यटन**, उत्तराखंड के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर डा. विजय कुमार चौधरी के निर्देशन में पूर्ण हुआ।

डॉ. डी.पी.एन. सिंह को श्रद्धांजलि

दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के पूर्व प्राचार्य एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष **डॉ. डी.पी.एन. सिंह** के २७ जनवरी २०१७ को आकस्मिक निधन पर २८ जनवरी को शोकमग्न महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ ने प्रार्थना सभा में उन्हें भावभिनी **श्रद्धांजलि** अर्पित की। उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि डॉ. डी.पी.एन. सिंह जी वर्तमान युग में एक आदर्श शिक्षक एवं एक आदर्श प्राचार्य के प्रतिमान थे। मनुष्य कैसा होना चाहिए, उन्हें देखकर समझा जा सकता था। पर्दे के पीछे रहकर कार्य कर और उसका पूरा श्रेय दूसरों को देने की प्रेरणा देने वाले

शत्-शत् नमन

डॉ. डी.पी.एन. सिंह महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज जंगल धूसड़ के अनेक मौलिक अकादमिक योजनाओं के शिल्पी थे, जिसका श्रेय मैं पाता रहा। वे वास्तव में गृहस्थ वेश में महात्मा थे। महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ के लिए जीने वाले उस संत की भौतिक साया से हम सदा के लिए वंचित हो गये। किन्तु उनकी स्मृतियाँ सदैव हमारा मार्गदर्शन करती रहेंगी।

स्मृतियों में :
महाविद्यालय के शिक्षकों के साथ शैक्षिक गुणवत्ता पर विमर्श करते स्व. डॉ. डी.पी.एन. सिंह

श्रद्धांजलि देते हुए डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि डॉ. डी.पी.एन. सिंह को नजदीक से जानने वालों के लिए वे सदैव प्रेरणा स्रोत रहेंगे। यह महाविद्यालय उनका सदैव ऋणी रहेगा।

अन्त में सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, कर्मचारियों ने दो मिनट मौन रहकर उनकी आत्मा की शांति एवं उनके परिवार को धैर्य प्रदान करने हेतु परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की गई।

इतिहास एवं प्राचीन इतिहास विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

प्राचीन इतिहास एवं इतिहास विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ पुण्यतिथि शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत उनकी स्मृति में २८ जनवरी को इतिहास एवं प्राचीन इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभाग के कुल २० विद्यार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किये। पूजा कुमारी (बी.ए. तृतीय वर्ष) को प्रथम स्थान, कु. खुशबू (बी.ए. प्रथम वर्ष) को द्वितीय स्थान, तनु यादव (बी.ए. प्रथम वर्ष) तृतीय स्थान तथा रवि प्रताप नागवंशी (बी.ए. द्वितीय वर्ष), राहुल गिरी (बी.ए. प्रथम वर्ष), अनूप कुमार (बी.ए. प्रथम वर्ष) तथा श्वेता सिंह (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

वाणिज्य विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

वाणिज्य विभाग में व्याख्यान देते श्री जी.एस. तिवारी

२८ जनवरी को योगिराज बाबा गम्भीरनाथ पुण्यतिथि के शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत वाणिज्य विभाग में ''उद्यमिता विकास में बैंकों का योगदान : क्षेत्रीय पूर्वांचल बैंक के संदर्भ में' विषय पर एक विशिष्ट

व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता पूर्वांचल ग्रामीण बैंक के ट्रेनर **श्री जी.एस. तिवारी** एवं पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर के लेखांकन प्रशिक्षक **श्री राम उग्रह विश्वकर्मा** ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्वांचल ग्रामीण बैंक के प्रबन्धक **श्री विनोद कुमार तिवारी** ने की।

हिन्दी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

२८ जनवरी को हिन्दी विभाग में 'साहित्य और समाज' विषय पर मुख्य अतिथि **डा. भरत प्रसाद त्रिपाठी**, एसोसिएट प्रोफेसर, पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघायल का उद्‌बोधन हुआ।

हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित विशिष्ट व्यख्यान में बोलते हुए डॉ. भरत प्रसाद त्रिपाठी

वाणिज्य विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

३० एवं ३१ जनवरी को वाणिज्य विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग के कुल २५ विद्यार्थियों ने शोधपत्र प्रस्तुत किया। स्नातक वर्ग में नितिन तिवारी (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष) प्रथम, प्रियंका दुबे (बी.कॉम. तृतीय वर्ष) द्वितीय तथा मनीषा श्रीवास्तव (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। परास्नातक वर्ग में प्रथम स्थान कृष्णा यादव (एम.कॉम. द्वितीय वर्ष), द्वितीय स्थान राघवेन्द्र प्रताप सिंह (एम.कॉम. प्रथम वर्ष) तथा तृतीय स्थान अतुल कुमार दुबे (एम.कॉम. द्वितीय वर्ष) तथा रजत श्रीवास्तव (एम.कॉम. प्रथम वर्ष) ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया।

वाणिज्य विभाग में व्यख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता विद्यार्थी

इतिहास एवं प्राचीन इतिहास विभाग में व्याख्यान

३० जनवरी को इतिहास तथा प्राचीन इतिहास विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में योगिराज बाबा गम्भीरनाथ पुण्यतिथि शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रतिष्ठित इतिहासविद् **डॉ. हरेन्द्र शर्मा** ने 'स्वतंत्रता आन्दोलन में किसानों की भूमिका' विषय पर अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया।

प्राचीन इतिहास एवं इतिहास विभाग में व्याख्यान देते डॉ. हरेन्द्र शर्मा

सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार

३० जनवरी को शिक्षक संघ की बैठक संपन्न हुई। जिसमें सभी पदाधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे। बैठक में 'सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार' का प्रस्ताव पारित हुआ। वर्तमान सत्र में यह पुरस्कार श्रेष्ठतम शिक्षक को समावर्तन संस्कार समारोह के अवसर पर प्रदान किया जायेगा।

संगोष्ठी में उपस्थित मंचासीन वैज्ञानिक एवं अन्य अतिथिगण

'जड़ी-बूटी द्वारा स्वास्थ्य संरक्षण' विषयक संगोष्ठी

३१ जनवरी को, वनस्पति विज्ञान के तत्वावधान में योगिराज बाबा गम्भीरनाथ पुण्यतिथि शबाब्दी वर्ष के अन्तर्गत सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ द्वारा जनजागरण के अन्तर्गत ''जड़ी-बूटी द्वारा स्वास्थ्य संरक्षण'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में सी.एस.आई. आर. के **एसो. प्रोफेसर डा.एस.के. त्रिपाठी** ने संस्थान के बारे में जानकारी दी। मुख्य वक्ता के रूप में सी.एस.आई.आर., लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक **डा. संजीव कुमार ओझा** ने अपने विचार रखते हुए कहा कि ''भारतीय ज्ञान परंपरा समग्रता की सूचक है। भारतीय संस्कृति ने जीवन का मंत्र दिया है। आहार और औषधि भारतीय परम्परा में एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। तुलसी, नीम, हल्दी, आँवला, जैसी अनेक वनौषधियाँ है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद उपयोगी हैं।'' इस अवसर पर दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय के अधीक्षक **डॉ. डी.पी. सिंह**, कृषि वैज्ञानिक **वाई.पी. सिंह**, **डॉ. अभय श्रीवास्तव** ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

संगोष्ठी में विद्यार्थियों के बीच व्याख्यान देते डॉ. संजीव कुमार ओझा

बसंत उत्सव के अवसर पर माँ सरस्वती की आराधना करता महाविद्यालय परिवार

सरस्वती पूजन

बसंत पंचमी (०१ फरवरी २०१७) को वाग् देवी माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना की गयी। महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक गण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्रायें सम्मिलित हुए। बी.एड्. विभाग की प्रवक्ता **श्रीमती शिप्रा सिंह** ने यजमान के रूप में पूजन कार्य सम्पन्न किया।

रसायन शास्त्र विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

२ फरवरी २०१७ को नेरिस्ट (NERIST), ईटानगर के रसायन विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर **डॉ. नागेन्द्र नाथ यादव** ने ''स्टीरियो केमिस्ट्री इन ड्रग्स मालीक्यूल'' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान का संचालन जूही पाण्डेय एवं आभार ज्ञापन विभागाध्यक्ष **डॉ. शिव कुमार वर्नवाल** के द्वारा किया गया।

रसायन शास्त्र विभाग में व्याख्यान देते डॉ. नागेन्द्र नाथ यादव

राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्त दिवसीय शिविर

२ फरवरी से ८ फरवरी तक राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्त दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप एवं गुरू श्री गोरक्षनाथ इकाई के सप्त दिवसीय शिविर निम्नवत सम्पन्न हुआ।

उद्घाटन समारोह : राष्ट्रीय सेवा योजना की सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि **प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी**, पूर्व अध्यक्ष, राजनीतिशास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा अभिगृहित ग्राम मंझरिया में किया गया। जहाँ पर शिविरार्थी स्वंय-सेवक सेविकाओं को मतदान की महत्ता बताते हुए, मंझरिया में शत-प्रतिशत मतदान कराने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवायोजना समन्वयक (दी.द.उ.गो. वि., गोरखपुर) **प्रो. अजय कुमार शुक्ल** ने स्वंयसेवको/स्वयंसेविकाओं को राष्ट्रीय सेवायोजना का महत्व बताया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य **श्री इंद्रजीत चौहान** जी उपस्थित थे। इस अवसर पर सभी अतिथियों का योगीराज बाबा गम्भीरनाथ जी के चित्र का स्मृति चिन्ह द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

रा.से.यो. के सात दिवसीय शिविर के उद्घाटन अवसर पर मंचासीन अतिथि

३ फरवरी : शिविर के दूसरे दिन अभिगृहित ग्राम मंझरिया से भट्टा चौराहे तक स्वयंसेवक/सेविकाओं द्वारा सड़क की मरम्मत एवं साफ सफाई की गयी। मार्ग के अगल-बगल रह रहे परिवारों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

सात दिवसीय शिविर में श्रमदान करते स्वयंसेवक

४ फरवरी : शिविर के तीसरे दिन बौद्धिक सत्र में स्वंयसेवक/सेविकाओं को संबोधित करते हुए प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं किसान पी.जी. कालेज, सेवरही, कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य **डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय** ने व्यक्तित्व विन्यास विषय पर बोलते हुए कहा कि, भारतीय जीवन पद्धति में व्यक्तित्व विकास के सभी मूलमंत्र समाहित हैं। इस अवसर पर छत्रपति साहूजी महाराज कानपुर विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष **डा. एस.के. सिंह** एवं डी.ए.वी कालेज, कानपुर के **डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह** ने भी स्वयंसेवकों को सम्बोधित किया। इससे पूर्व दोनों इकाइयों के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं को योग एवं प्राणायाम के महत्त्व बताते हुए अभ्यास कराया गया। सायं सत्र में **श्री संजय शर्मा द्वारा** जूडो एवं कराटे का प्रशिक्षण दिया गया।

शिविर के बौद्धिक सत्र में व्याख्यान देते डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय

शिविर में प्राणायाम एवं योगाभ्यास का प्रशिक्षण देते डॉ. बलवान सिंह

५ फरवरी : शिविर के चौथे दिन के बौद्धिक सत्र में **डा. बलवान सिंह**, एसोसिएट प्रोफेसर, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, भटवली डिग्री कालेज ने भारत की योग परम्परा एवं जीवन में योग की महत्ता विषय पर प्रकाश डाला। स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं को योगाभ्यास भी कराया। प्रातः सत्र में स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं को अन्तर्राष्ट्रीय ताइक्वॉडो खिलाड़ी **श्री आदित्य जायसवाल** एवं **श्री सुमित** ने आत्मरक्षा की तकनीक का प्रशिक्षण दिया।

६ फरवरी : पॉचवें दिन के बौद्धिक सत्र में, ''जीवन में कला का महत्व'' विषय पर अपना व्याख्यान देते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर **डॉ. उमेन्द्र सिंह** ने कहा कि विचार की सुंदरता बड़ी कला है। कला के द्वारा आचरण व्यवहार तथा संस्कार को और सुन्दर बनाया जा सकता है। इस कार्यक्रम में दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश अध्यक्ष **डॉ. राजशरण शाही** ने ''बदलता युवा बढ़ता भारत'' विषय पर अपने विचार रखे।

बौद्धिक सत्र में डॉ. राजशरण शाही एवं डॉ. उमेन्द्र सिंह

७ फरवरी : शिविर के छठे दिन स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं को संबोधित करते हुए उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग के पूर्व चेयरमैन एवं राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के **पूर्व कुलपति प्रो. राम अचल सिंह** ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना एक ऐसा मंच है, जहाँ सामाजिक सेवा की अपार संभावना निरंतर बनी रहती है। दी.द.उ.गो.वि.,गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष **प्रो. राम प्रकाश** ने कहा कि किसी भी राष्ट्र का विकास उसके नागरिकों के योग्यता और नैतिक मूल्यों पर आधारित होता है।

शिविर में स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते
प्रो. रामप्रकाश एवं मंचासीन प्रो. रामअचल सिंह

पायनियर समाचार पत्र लखनऊ के वरिष्ठ पत्रकार **डॉ. अनूप त्रिपाठी** ने जीवन में कर्म का महत्व विषय पर प्रकाश डाला। सांस्कृतिक संध्या के अवसर पर स्वंयसेवक/स्वंयसेविकाओं द्वारा उत्कृष्ट कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें मतदाता जागरूकता, साक्षरता, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण सहित देशभक्ति एवं इष्टभक्ति से संबंधित प्रस्तुतियाँ महत्वपूर्ण रहीं। इससे पूर्व प्रातः सत्र में अभिगृहीत गाँव मंझरिया से भट्ठा चौराहा तक के मार्ग की साफ-सफाई की गयी तथा ग्रामवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से स्वसेवक / स्वयंसेविकाओं द्वारा घर-घर जाकर सम्पर्क किया गया।

समापन अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह

समापन समारोह : ८ फरवरी को सप्त दिवसीय विशेष शिविर का समापन मंझरिया ग्राम में हुआ। जिसको सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि **डा. शैलेन्द्र प्रताप सिंह**, प्राचार्य, दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज ने कहा कि युवाओं की इस शक्ति को राष्ट्र की सेवा और विकास की दिशा में लगाने तथा संवेदनशील नागरिक बनाने में इस प्रकार के आवासीय शिविर उल्लेखनीय साबित होंगे। इस अवसर पर रासेयो के पूर्व कार्यक्रम अधिकारी **डा. नीरज कुमार सिंह**, प्रभारी, वाणिज्य विभाग दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज ने कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं में व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ ग्रामीण भारत को नजदीक से देखने एवं समझने का अवसर प्रदान करता है।

समापन अवसर पर उपस्थित स्वयंसेवक, शिक्षक एवं ग्रामवासी

भौतिक विज्ञान विभाग में कार्यशाला

३ से ७ फरवरी २०१७ तक योगिराज बाबा गम्भीरनाथ पुण्यतिथि शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्, भारत सरकार के सहयोग से इण्डियन साइंस कम्यूनिकेशन सोसायटी द्वारा पाँच दिवसीय साइंस कामिक्स कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस पाँच दिवसीय 'विज्ञान-कार्टून कार्यशाला' का उद्घाटन एन.इ.आर. आई.एस.टी.एन.इ.आर. जे.यू.एल.आई. इटानगर अरूणाचल के रसायन विज्ञान विभाग के एसो. प्रोफेसर **डॉ. नागेन्द्र नाथ यादव** ने किया। प्रथम सत्र में प्रतिभागियों को साइंस के माध्यम से भारत की लोकभाषा को जन-जन तक पहुँचाने तथा सरल तरीके से गूढ़ से गूढ़ तकनीक को समझने की विधि पर चर्चा की गयी। इस कार्यशाला में पाँच विद्यालय के ४५ विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इस कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के चित्रकला विभाग के एसो. प्रोफेसर **डॉ. उमेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. वी.पी. सिंह**, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के पत्रकारिता एवं संचार विभाग के अध्यक्ष **डॉ. ए.के. सिंह**, डी.ए.वी. कालेज, कानपुर के एसो. प्रोफेसर **डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह**, महात्मा गाँधी पी.जी. कालेज, गोरखपुर के असिस्टेन्ट प्रोफेसर **डॉ. आलोक श्रीवास्तव**, दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के एसो. प्रोफेसर **डॉ. राजशरण शाही** ने कार्टून कामिक्स बनाने का प्रशिक्षण देते हुए कार्टून बनाने में प्रतिभागियों को दक्ष किया।

कार्यशाला में उपस्थित डॉ. नागेन्द्र नाथ यदव एवं अन्य अतिथि

कार्यशाला में प्रतिभागियों को सम्बोधित करते डॉ. ए.के. सिंह एवं डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह

कार्यशाला के समापन अवसर पर प्रतिभागियों के साथ अतिथिगण

कार्यशाला के पाँचवें दिन पाइनियर समाचार पत्र लखनऊ के वरिष्ठ पत्रकार पर्यवेक्षक के रूप में **डॉ. अनूप त्रिपाठी** प्रतिभागी द्वारा बनाए गए विज्ञान कार्टून कथा का मूल्यांकन किया तथा कार्यशाला के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के पूर्व कुलपति एवं उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष **प्रो. राम अचल सिंह** तथा मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष **प्रो. रामप्रकाश** ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र दिया एवं उनका मार्गदर्शन किया।

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में परीक्षा देते विद्यार्थी

६ फरवरी से २१ फरवरी तक विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा का कुशलतापूर्वक संचालन हुआ। २३ फरवरी को इसका परिणाम सूचना पट्ट एवं वेबसाइट पर घोषित कर दिया गया। इस परीक्षा में अपने-अपने विषयों में टॉपर्स विद्यार्थियों को अगले वर्ष के छात्र प्रवेश समिति में सदस्य नामित किया गया। टापर्स की उत्तर-पुस्तिकाएँ पुस्तकालय में सभी विद्यार्थियों के अवलोकनाथ रख दी गई।

राष्ट्रीय सेवा योजना का चतुर्थ एक दिवसीय शिविर

मतदान हेतु जागरूक करते राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं

२२ फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर अभिगृहित गाँव मंझरिया में सम्पन्न हुआ। शिविर स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं ने ग्रामवासियों को मतदान हेतु जागरूक किया तथा गाँव की सड़कों की साफ-सफाई की। इसके साथ ही सप्त दिवसीय शिविर में किए गये कार्यों की समीक्षा की गई।

नूतन आयाम

प्रार्थना सभा

प्रार्थना सभा में ईश वन्दना करते विद्यार्थी

महाविद्यालय में दिनचर्या का प्रारम्भ राष्ट्र वन्दना और ईश वन्दना के साथ सम्पन्न होता है। एक अगस्त से प्रार्थना सभा का प्रारम्भ किया जाता है। प्रत्येक कार्यदिवस को प्रातः ६:२५ बजे से क्रमशः राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं ईशोपासना के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ होती है। तिथि विशेष पर यदि किसी महापुरूष/घटना की जयन्ती/पुण्यतिथि/स्मृति दिवस होती है तो, उस महापुरूष/घटना के सन्दर्भ में उद्‌बोधन होता है। शेष दिवसों पर श्रीमद्‌भागवत्‌गीता का हिन्दी अनुवाद सहित तीन श्लोक का वाचन होता है। प्रार्थना सभा में विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी एवं प्राचार्य सम्मिलित रहते हैं।

स्वैच्छिक श्रमदान

प्रत्येक सप्ताह शनिवार को महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं, कर्मचारी, प्राध्यापक एवं प्राचार्य द्वारा सुविधानुसार स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है। शनिवार को कक्षाएं ४० मिनट की चलाई जाती है तथा ११.४० से १.०० बजे तक स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है।

स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में सफाई करते प्राचार्य एवं विद्यार्थी

साप्ताहिक कक्षाध्यापन

सप्ताह में एक दिन प्राध्यापक की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षायें पढ़ायी जाती है। पूर्व निर्धारित विषय पर प्रत्येक विषय में लगभग दस छात्र-छात्राओं की कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास किया जाता है। कक्षाध्यापन में विशेष तौर पर वह विषय दिये जाते हैं जो परीक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण होते हैं।

मासिक मूल्यांकन

प्रत्येक माह के अन्त में प्राध्यापक द्वारा अपने-अपने प्रश्नपत्र में छात्र-छात्राओं का लिखित परीक्षा विधि से मूल्यांकन किया जाता है।

प्रगति आख्या

विद्यार्थियों के समस्त गतिविधियों का विवरण प्रगति आख्या के माध्यम से प्रति माह तैयार कर बेवसाइट के माध्यम से एवं लिखित रूप में प्रस्तुत किया जाता है। प्रगति आख्या में प्रत्येक छात्र की माहवार उपस्थिति, कक्षाध्यापक एवं मासिक मूल्यांकन के अंक का उल्लेख होता है।

विद्यार्थियों को गोद लेना

प्रत्येक शिक्षक पाँच विद्यार्थियों को गोद लेकर उनके शैक्षिक उन्नयन के साथ-साथ व्यक्तित्त्व विकास की अलग से प्रयास करता है। गोद लिये विद्यार्थियों का पठन/पाठन एवं अन्य समस्याओं का समाधान करते हुए शिक्षक उनकी जिम्मेदारी लेते हैं।

प्रोजेक्टर युक्त कक्षायें

प्रत्येक विषय के प्रत्येक प्रश्न पत्र की कम से कम पाँच कक्षायें प्रोजेक्टर के माध्यम से संचालित की जाती है।

कक्षाओं में सारांश

महाविद्यालय में प्रत्येक दिवस पढ़ाये जाने वाले प्रत्येक प्रश्न पत्र की कक्षाओं में सम्बन्धित पाठ्यक्रम का एक पृष्ठ के लिखित सारांश की छायाप्रति वितरित किया जाता है। सारांश में उस कक्षा में पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रम से

सम्बन्धित विषय का सार विभिन्न सन्दर्भ ग्रन्थों की सहायता से दिया जाता है।

प्रशासन में छात्र सहभाग एवं छात्रसंघ की भूमिका

महाविद्यालय की विविध समितियों जैसे नियन्ता मण्डल, प्रवेश समिति, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, छात्रा समिति आदि में छात्रसंघ के प्रतिनिधि अथवा पदाधिकारी सदस्य होते हैं। छात्रसंघ अपने बजट का ७५ प्रतिशत हिस्सा सारांश की छायाप्रति, वाटर प्यूरीफायर, प्रोजेक्टर आदि पर व्यय करता है।

छात्रसंघ की साधारण सभा

प्रत्येक माह के प्रथम कार्य दिवस पर छात्रसंघ की साधारण सभा आयोजित की जाती है। साधारण सभा में सभी विद्यार्थी, शिक्षक-कर्मचारी, प्राचार्य उपस्थित रहते हैं। छात्र अपनी समस्यायें रखता है, प्राचार्य को समाधान देना होता है। तत्पश्चात छात्र कोई तीन करणीय संकल्प लेता है। अंत में वर्तमान के किसी भी प्रमुख मुद्दे पर परिचर्चा होती है। इस दिन कक्षाएं ४० मिनट की चलती हैं।

छात्रसंघ की साधारण सभा

वेबसाइट

महाविद्यालय के पास अपनी अद्यतन वेबसाइट है। महाविद्यालय की समस्त सूचना एवं विद्यार्थियों के विषय में सम्पूर्ण जानकारी विद्यार्थियों की प्रगति आख्या एवं पाठ्यक्रम योजना बेवसाइट पर उपलब्ध रहती है। प्रत्येक विद्यार्थी अपने से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी अपने आई.डी. नम्बर के द्वारा वेबसाइट पर प्राप्त कर सकता है।

पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षायें

महाविद्यालय में प्रत्येक विषय के प्रत्येक प्रश्न पत्र की पाठ्यक्रम योजना वेबसाइट पर जुलाई माह में प्रकाशित की जाती है। कक्षा संचालन शत-प्रतिशत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार किया जाता है। पाठ्यक्रम योजना की प्रति वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। पाठ्यक्रम योजना की मासिक समीक्षा प्राचार्य-शिक्षक की बैठक में की जाती है।

दीवाल पत्रिका

महाविद्यालय में छात्र संघ द्वारा गठित संपादक मण्डल द्वारा दीवाल पत्रिका का प्रतिमाह प्रकाशन होता है। हस्तलिखित लेख, कविता, व्यंग्य, चित्र आदि का सम्पादन कर उसे प्रत्येक माह के पहले कार्य दिवस पर दीवाल पत्रिका पर लगा दिया जाता है। पत्रिका में कोई भी विद्यार्थी शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक अथवा अन्य विषयों पर अपना लेख छात्र संघ को दीवाल पत्रिका हेतु दे सकता है।

छात्र संघ पत्रिका चेतक

दीवाल पत्रिका के संकलित प्रस्तुतियों का 'चेतक' पत्रिका के माध्यम से प्रतिवर्ष छात्र संघ द्वारा प्रकाशन किया जाता है।

विमर्श एवं मानविकी का प्रकाशन

महाविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष महाविद्यालय के संस्थापक राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान माला के व्याख्यानों एवं विभिन्न विषयों के शोध पत्रों का प्रकाशन 'विमर्श' में किया जाता है। महाविद्यालय द्वारा अर्धवार्षिक शोधपत्रिका मानविकी का भी प्रकाशन होता है।

अन्य प्रकाशन

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ द्वारा संगोष्ठी/व्याख्यानमाला/कार्यशाला का कार्यवृत्त/शोध पत्रों का प्रकाशन किया जाता रहा है। छात्रोपयोगी पाठ्य पुस्तक का प्रकाशन भी प्रारम्भ किया जा रहा है। महाविद्यालय के अब तक के प्रमुख प्रकाशन उल्लेखनीय है - ग्रामीण भारत का भविष्य 2006; उच्च शिक्षा की वर्तमान स्थिति : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ २००८; उच्च शिक्षा की स्थिति स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के संदर्भ में २०१०; आर्दश शिक्षक आचरण एवं व्यवहार २०११; शैक्षिक विषयों का वर्तमान बौद्धिक परिप्रेक्ष्य : एक विमर्श एवं शोध प्रविधि २०१२; शैक्षिक विषयों का वर्तमान बौद्धिक परिप्रेक्ष्य : भाषा एवं एवं शोध प्रविधि 2013; वर्तमान शिक्षण प्रविधि एवं अनुभव आधारित सुधार २०१४; नाथ पन्थ एवं भक्ति आन्दोलन; भारतीय राष्ट्रीयता एवं संत परम्परा (प्रकाशन में); क्वालिटी मैनेजमेन्ट इन हायर एजूकेशन इन्स्टीट्यूशन २०१७।

महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के सहयोग से संचालित है। प्रत्येक बुधवार एवं बृहस्पतिवार को चिकित्सालय के चिकित्सक अपने स्टाफ के साथ स्वास्थ्य केन्द्र पर जंगल धूसड़ के आस-पास के गाँवों के मरीजों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं नि:शुल्क दवा वितरण किया जाता है। गम्भीर मरीजों को गोरखनाथ चिकित्सालय में चिकित्सा कराने की सुविधा प्रदान की जाती है। उक्त तिथियों में नि:शुल्क एम्बुलेन्स की भी सुविधा उपलब्ध रहती है। अभी तक हजारों की संख्या में रोगियों की चिकित्सा की जा चुकी है।

ऑनलाइन पुस्तकालय

महाविद्यालय में पुस्तकालय इण्टरनेट पर उपलब्ध है। पुस्तकालय के डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया प्रारम्भ है। विश्विविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विकसित Soul साफ्टवेयर पर पुस्तकालय की पुस्तकें दर्ज हैं। पुस्तकालय द्वारा N-List लाइब्रेरी की सदस्यता प्राप्त की गयी है जिसके माध्यम से ई-बुक्स, ई-जनरल्स की एक लाख पच्चीस हजार से अधिक पुस्तकें पढ़ने का अवसर विद्यार्थी-शिक्षकों को प्राप्त है।

विभाग द्वारा गाँव गोद लेना

महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग को आस-पास के किसी न किसी गाँव को गोद लेकर उसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और जन चेतना जागृत करने के लिए वर्ष में ४ बार अगस्त माह के प्रथम रविवार, बाल्मीकि जयन्ती, फरवरी माह के प्रथम रविवार एवं परीक्षा समाप्ति के बाद के प्रथम रविवार को सभी विभाग अपने विद्यार्थियों के साथ गोद लिए गाँव में रहते हैं।

गाँव में महाविद्यालय

निःशुल्क प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

महाविद्यालय में चार निःशुल्क प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम विद्यार्थियो, ग्रामीण बच्चों एवं महिलाओं में अतिरिक्त कौशल एवं जीवन दृष्टि उत्पन्न करने के उद्देश्य से चलाए जाते हैं। ये पाठ्यक्रम स्थानीय स्तर पर रोजगार प्रदान करने तथा विद्यार्थियों में मानव जीवन-मूल्यों के प्रति भारत की महान सांस्कृतिक परम्परा, महापुरुषों की शृंखला से प्रेरणा ग्रहण कर स्वयं के जीवन-मूल्य विकसित करने के उद्देश्य से संचालित है।

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम : महाविद्यालय द्वारा संचालित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सिलाई-कढ़ाई एवं पेण्टिंग केन्द्र गरीब ग्रामीण महिलाओं एवं छात्राओं को सिलाई-कढ़ाई का छः माह का प्रशिक्षण देकर उन्हें इस योग्य बनाता है कि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकें।

राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम : कम्प्यूटर प्रशिक्षण के अन्तर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं निकटस्थ गाँवों के इच्छुक छात्र/छात्राओं को निःशुल्क छः माह का कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्तमान समय में प्रत्येक कार्यालय, प्रकाशन, कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षित युवाओं की आवश्यकता को देखते हुए यह प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे कि विद्यार्थी विशेषकर छात्राएँ कम्प्यूटर की दक्षता प्राप्त कर योग्यतानुसार स्थानीय बाजार में रोजगार प्राप्त कर सकें।

हमारे महापुरुष प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम : हमारे महापुरुष प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में सम्मिलित महापुरुषों के जीवन के प्रेरणाप्रद प्रसंगों को विद्यार्थियों के समक्ष रख कर, उनके बारे में अध्ययन एवं वर्तमान की समस्याओं पर उनकी भूमिका पर चिंतन के अवसर प्रदान किए जाते हैं। यह पाठ्यक्रम योग्य नागरिक गुणों का विकास करने में भी सक्षम हुआ है। इस पाठ्यक्रम में छः माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है।

जीवन-मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम : जीवन-मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में मानव जीवन के शाश्वत मूल्यों पर चर्चा-परिचर्चा, चिंतन, लेखन आदि के आधार पर समाज और राष्ट्र के लिए जीवन-मूल्य सृजन करने का प्रयत्न किया जाता है। इस पाठ्यक्रम में छः माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है।

स्व मूल्यांकन प्रपत्र

स्व मूल्यांकन प्रपत्र द्वारा अगले महीने के द्वितीय कार्यदिवस तक उस माह में अपने कार्यों एवं सम्पूर्ण दायित्वों का विवरण यथा- पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षाध्यापन, विद्यार्थियों द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन, विभिन्न कार्यक्रमों में योगदान, निर्धारित दायित्वों का निर्वहन, स्व-प्रेरणा से किये गये कार्य इत्यादि का उल्लेख निर्धारित प्रपत्र पर शिक्षा द्वारा प्राचार्य को उपलब्ध कराना होता है। शिक्षक द्वारा दिये गए आख्या की प्राचार्य द्वारा समीक्षा कर आवश्यकतानुसार शिक्षकों से त्वरित संवाद स्थापित कर शिक्षण-अधिगम की गुणवत्ता बनाए रखने के प्रति उन्हें सावधान किया जाता है।

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

निर्धारित प्रारूप-'शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र' के माध्यम से वर्ष में दो बार (सितम्बर-जनवरी) विद्यार्थियों से पठन-पाठन के सन्दर्भ में प्राचार्य द्वारा सीधे फीड-बैक लिया जाता है। इसकी समीक्षा कर प्रत्येक शिक्षक से अलग-अलग वार्ता कर शिक्षण की गुणवत्ता एवं शिक्षक-विद्यार्थी सम्बन्धा का विकास सुनिश्चित किया जाता है।

ध्येय पथ

अपने अनवरत विकास यात्रा में महाविद्यालय ने अपने सभी घटकों के बीच निरन्तर संवाद के अनेक मंच विकसित किए हैं। मासिक पत्रिका 'ध्येय पथ' शिक्षक संघ, कर्मचारी संघ, छात्र संघ, पुरातन छात्र परिषद तथा अभिभावक संघ जैसे जीवन्त घटक समूहों के आपसी संवाद के साथ-साथ महाविद्यालय की अन्य गतिविधियों की प्रस्तुति का एक माध्यम है। इस पत्रिका का विमोचन 4 नवम्बर को शिक्षाविद् श्रीराम अग्रवाल ने किया। पत्रिका की प्रभारी वाणिज्य संकाय की प्रवक्ता **सुश्री प्रगति पाण्डेय** हैं।

सिविल सविर्सेज सामान्य अध्ययन

महाविद्यालय की नित नूतन प्रयोगधार्मिता के क्रम में शैक्षिक सत्र २०१६-१७ से विद्यार्थियों के प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति उन्मुख होने तथा भविष्य में रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य के निमित्त नि:शुल्क सिविल सर्विसेज सामान्य अध्ययन की कक्षाओं का सुचारू ढंग से संचालन किया जा रहा है। इसके संयोजक राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. कृष्ण कुमार हैं।

मॉडल स्कूल

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अनुदानित महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज के कक्षा ६, ७ एवं ८ की कक्षाओं को बी.एड्. विभाग द्वारा 'माडल स्कूल' के रूप में विकसित किया गया है। बी.एड्. विभाग के शिक्षक एवं छात्राध्यापकों द्वारा उच्च स्तरीय पठन-पाठन का प्रयत्न प्रारम्भ किया गया है। उल्लेखनीय है कि शिक्षकों की कमी से जूझ रहे अनुदानित स्कूल में किया जा रहा यह प्रयोग यह बताएगा कि प्रत्येक बी.एड्. कालेज द्वारा आस-पास के स्कूलों अथवा अपने ही कालेज में मॉडल स्कूल के रूप में विद्यालय चलाकर आस-पास की शिक्षा के लिए शिक्षक की कमी पूरी की जा सकती है।

मॉडल स्कूल में विद्यार्थियों को पढ़ाती बी.एड्. विभाग की छात्रा

समावर्तन संस्कार समारोह-२०१६

सत्र 20015-16 के विद्यार्थियों का समावर्तन संस्कार समारोह 27 मार्च 2016, शनिवार को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के माननीय कुलपति प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रबन्धक गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय उपस्थित थे।

प्रार्थना सभा के कुछ महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम

दिनांक	कार्यक्रम
अगस्त	
०१	लोकमान्य तिलक महाप्रयाण दिवस, मुंशी प्रेमचन्द जयन्ती
०३	राजर्षि टण्डन जयन्ती एवं मैथिलीशरण गुप्त पुण्यतिथि
०४	डॉ. कुँवर बहादुर कौशिक पुण्यतिथि
०६	रविन्द्रनाथ टैगोर पुण्यतिथि (पूर्व-सन्ध्या)
०९	भारत छोड़ो आन्दोलन काकोरी काण्ड, पार्श्वनाथ निर्वाण
१०	तुलसीदास जयन्ती (श्रावण शुक्ल सप्तमी)
११	खुदीराम बोस बलिदान दिवस
१२	शहीद बंधुसिंह बलिदान दिवस, डॉ. एस.आर. रंगनाथन जयन्ती
१५	महर्षि अरविन्द जयन्ती
१७	मदनलाल धींगड़ा बलिदान दिवस
२३	रामकृष्ण परमहंस समाधिस्थ तिथि (भाद्रपद कृ. षष्ठी)
२४	राजगुरू जयन्ती, रासबिहारी बोस पुण्यतिथि (पूर्व-सन्ध्या)
२६	रानी पद्मिनी जौहर दिवस
२९	मेजर ध्यानचन्द जयन्ती (राष्ट्रीय खेल दिवस)
३०	भारतेन्दु हरीशचन्द्र जयन्ती
३१	आहिल्याबाई होल्कर पुण्यतिथि (भाद्रपद कृ. चतुर्थी)
सितम्बर	
४	दादाभाई नौरोजी जयन्ती
५	डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयन्ती (शिक्षक दिवस)
६	महर्षि दधीचि जयन्ती (भाद्रपद शु. अष्टमी)
१०	गोविन्द वल्लभ पंत जयन्ती, आचार्य विनोबा भावे जयन्ती
१३	यतीन्द्रनाथ बलिदान दिवस
१४	महादेवी वर्मा जयन्ती (हिन्दी दिवस)
१५	एम. विश्वेश्वरैया जयन्ती (इन्जीरियर्स डे)
२२	गुरूनानक देव पुण्यतिथि
२४	दीनदयाल उपाध्याय जयंती (पूर्व सन्ध्या)
२७	राजा राजमोहन राय पुण्यतिथि
२८	सरदार भगत सिंह जयन्ती
२९	ईश्वर चन्द विद्यासागर जयन्ती
अक्टूबर	
०८	वायुसेना दिवस, मुंशी प्रेमचन्द्र स्मृति दिवस
११	डॉ. जय प्रकाश नरायण जयन्ती
१२	डॉ. राम मनोहर लोहिया पुण्यतिथि

दिनांक	कार्यक्रम
१५	बाल्मिकी जयन्ती (पूर्व सन्ध्या)
२७	यतीन्द्र नाथ बोस जयन्ती
२८	गुरू गोविन्द सिंह पुण्यतिथि
२९	स्वामी दयानन्द सरस्वती, महावीर स्वामी निर्वाण (पूर्व संध्या)
३१	बल्लभ भाई पटेल जयन्ती, इंदिरा गांधी पुण्यतिथि
नवम्बर	
०४	वासुदेव बलवंत फड़के जयन्ती
०७	विपिन चन्द्र पाल एवं सी.वी. रमन जयन्ती
१२	मदन मोहन मालवीय पुण्यतिथि
१४	गुरूनानक जयंती, पंडित जवाहर लाल नेहरू जयन्ती
१५	आचार्य विनोबा भावे पुण्यतिथि
१७	लाल लाजपत राय बलिदान दिवस
१९	रानी लक्ष्मीबाई जयन्ती
२१	महात्मा ज्योतिबा फूले पुण्यतिथि
२३	जगदीश चन्द्र बसु जयन्ती
२४	गुरू तेग बहादुर शहीदी दिवस
दिसम्बर	
०३	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती
०५	महर्षि अरविन्द जयन्ती
०६	डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुण्यतिथि
१६	विजय दिवस
१७	डॉ. रोशन सिंह राजेन्द्र लाहिड़ी बलिदान दिवस
१९	राम प्रसाद बिस्मिल अशफाक उल्ला खाँ बलिदान दिवस
२०	वीर क्षत्रसाल पुण्यतिथि
२२	चौधरी चरण सिंह जयन्ती (पूर्व दिवस)
२४	पं. मदन मोहन मालवीय जयन्ती (पूर्व दिवस)
२६	फतेह सिंह, जोरावर सिंह बलिदान दिवस
जनवरी	
०४	गुरूगोविन्द सिंह जयन्ती (पूर्व संन्ध्या)
०७	सोमनाथ मन्दिर विध्वंस स्मृति दिवस
२४	जननायक कर्पूरी ठाकुर जन्म दिवस
२८	लाला लाजपत राय जयन्ती
३०	महात्मा गांधी पुण्यतिथि

प्रबन्ध समिति

अध्यक्ष	प्रो. यू.पी. सिंह	पूर्व कुलपति
उपाध्यक्ष	श्री धर्मेन्द्र नाथ वर्मा	अधिवक्ता
प्रबन्धक	श्री महन्त योगी आदित्यनाथ	सांसद
सदस्य	श्री प्रमोद चौधरी	प्रतिष्ठित व्यवसायी
	श्री योगी त्यागीनाथ	धर्माचार्य
	श्री पारसनाथ मिश्रा	अधिवक्ता
	श्री प्यारे मोहन सरकार	अधिवक्ता
	श्री गोरक्ष प्रताप सिंह	शिक्षाविद्
	श्री योगी कमलनाथ	धर्माचार्य
	श्री रामजन्म सिंह	प्रधानाचार्य
	श्री द्वारिका तिवारी	समाजसेवी

शिक्षक-अभिभावक समिति

अध्यक्ष	श्री ए.के. सिंह	अभिभावक
उपाध्यक्ष	श्री दीपचन्द चौरसिया	अभिभावक
	श्री लक्ष्मण कुमार दास	अभिभावक
सचिव	श्री महेश सैनी	अभिभावक
सदस्य	डॉ. टी.एन. मिश्र	अभिभावक
	श्री इन्द्रजीत दूबे	अभिभावक
	श्री संजय जायसवाल	अभिभावक
	श्री दिलीप कुमार चौहान	अभिभावक
	श्रीमती आशा जायसवाल	अभिभावक
	श्री हरेन्द्र कुमार मिश्र	अभिभावक
	श्री राजेश भारती	अभिभावक
	डॉ. राम सहाय	शिक्षक

शिक्षक संघ

अध्यक्ष	श्री सुभाष कुमार गुप्ता
उपाध्यक्ष	डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह
महामंत्री	श्री विनय कुमार सिंह
कोषाध्यक्ष	डॉ. राम सहाय
सदस्य	श्री प्रदीप कुमार वर्मा
	डॉ. मृत्युन्जय कुमार सिंह
	डॉ. राजेश कुमार शुक्ल
	श्री मंजेश्वर

छात्र संघ

अध्यक्ष	श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल	एम.कॉम. भाग-एक
उपाध्यक्ष	सुश्री प्रगति मिश्रा	एम.कॉम. भाग-दो
महामंत्री	श्री अनुराग त्रिपाठी	बी.कॉम. भाग-तीन

छात्र संघ के प्रतिनिधि

विषय	कक्षा	प्रतिनिधि
रसायनशास्त्र	भाग-एक	साक्षी सिंह
	भाग-दो	अमन कुमार सिंह
	भाग-तीन	शुभम सिंह
गणित	भाग-एक	अर्पिता निषाद
	भाग-दो	प्रीति गुप्ता
	भाग-तीन	दीक्षा कर्ण
भौतिकी	भाग-एक	शिखा सिंह
	भाग-दो	विनीता विश्वकर्मा
	भाग-तीन	आंचल कर्ण
प्राणि विज्ञान	भाग-एक	सोनल दुबे
	भाग-दो	राजनन्दिनी चौधारी
	भाग-तीन	अर्जना गुप्ता

छात्र संघ के प्रतिनिधि

विषय	कक्षा	प्रतिनिधि
वनस्पति विज्ञान	भाग-एक	आरती गौड़
	भाग-दो	सुषमा सिंह
	भाग-तीन	जूही पाण्डेय
इलेक्ट्रानिक्स	भाग-एक	अमन कु. गुप्ता
	भाग-दो	कोई नही
	भाग-तीन	कोई नहीं
कम्प्यूटर साइंस	भाग-एक	माधवेन्द्र मिश्रा
	भाग-दो	अनुराग मिश्रा
	भाग-तीन	रजनी निषाद
सांख्यिकी	भाग-एक	किशन सिंह
	भाग-दो	आशुतोष चौहान
	भाग-तीन	ज्योति पाण्डेय
बी.काम.	भाग-एक	सूरज गुप्ता
	भाग-दो	दिव्या सिंह
	भाग-तीन	अनुराग त्रिपाठी
हिन्दी	भाग-एक	रूबी गुप्ता
	भाग-दो	स्वेता सिंह
	भाग-तीन	सुमन प्रजापति
अंग्रेजी	भाग-एक	गायत्री सिंह चौहान
	भाग-दो	रंजना निषाद
	भाग-तीन	अंजनी प्रजापति
राजनीतिशास्त्र	भाग-एक	अनूप प्रजापति
	भाग-दो	रवि प्रताप नागवंशी
	भाग-तीन	तनु कुमारी
समाजशास्त्र	भाग-एक	स्वेच्छा चौहान
	भाग-दो	शशि चौहान
	भाग-तीन	अंशिका श्रीवास्तव
प्राचीन इतिहास	भाग-एक	अनूप कुमार
	भाग-दो	विनय साहनी
	भाग-तीन	सुशील कुमार सिंह

छात्र संघ के प्रतिनिधि

विषय	कक्षा	प्रतिनिधि
इतिहास	भाग-एक	संजू गुप्ता
	भाग-दो	रूक्मिणी सिंह
	भाग-तीन	सुधान्शु यादव
अर्थशास्त्र	भाग-एक	करिश्मा कुमारी
	भाग-दो	प्रदीप मद्धेशिया
	भाग-तीन	फजले अख्तर
भूगोल	भाग-एक	अपराजिता पाण्डेय
	भाग-दो	पूजा साहनी
	भाग-तीन	शिवांगी सिंह
मनोविज्ञान	भाग-एक	जियाऊल हक
	भाग-दो	वर्षा जायसवाल
	भाग-तीन	वैशाली मिश्रा
रक्षा अध्ययन	भाग-एक	राहुल गिरि
	भाग-दो	आकाश कुमार यादव
	भाग-तीन	सतीश पाण्डेय
गृह विज्ञान	भाग-एक	प्रतिमा चौहान
	भाग-दो	रागिनी कुमारी
संस्कृत	लागू नहीं	
शिक्षाशास्त्र	भाग-एक	दीनू चौरसिया
	भाग-दो	अन्नू सिंह
बी.एड.	भाग-एक	अनिल कुमार
प्राचीन इतिहास (एम.ए.)	भाग-एक	कोई नही
	भाग-दो	कोई नही
रसायनशास्त्र (एम.एस-सी.)	भाग-एक	आकाश चौबे
	भाग-दो	किरण सिंह
राजनीतिशास्त्र (एम.ए.)	भाग-एक	पुष्पा कुमारी
	भाग-दो	धनन्जय विश्वकर्मा
वाणिज्य (एम.काम.)	भाग-एक	सिद्धार्थ कुमार शुक्ल
	भाग-दो	प्रगति मिश्रा

पुरातन छात्र परिषद

अध्यक्ष	श्री मनीष कुमार दूबे
उपाध्यक्ष	श्री कृष्णानन्द
महामंत्री	श्री दीपचन्द
सहमंत्री	श्री गौरव कुमार सिंह
कोषाध्यक्ष	डॉ. विशाल कुमार
सदस्य	श्री चन्द्रभान गुप्त
	श्री सुजीत कुमार सिंह
	श्री दीपक कुमार
	श्री जयहिन्द यादव
	श्री सचिन कुमार
	श्री प्रदीप कुमार पाण्डेय
	श्री सृष्टि सिंह
	श्री त्रिपुरेश कुमार
	श्री सुजीत कुमार सिंह
	श्री अनिल कुमार गुप्त

नियन्ता मण्डल

मुख्य नियन्ता	डॉ. मृत्युञ्जय कुमार सिंह
सदस्य	श्रीमती कविता मन्ध्यान
	श्री अभिषेक वर्मा
	श्री विनय कुमार सिंह
	डॉ. नन्दन शर्मा
	सुश्री दीप्ती गुप्ता
	श्री अंशुमान सिंह
	डॉ. कृष्ण कुमार

छात्र नियन्ता मण्डल

मुख्य नियन्ता	डॉ. मृत्युञ्जय कुमार सिंह
सदस्य	श्री अनूप कुमार
	श्री राहुल गिरि
	सुश्री शिवांगी सिंह
	श्री सुधांशु यादव
	सुश्री रंजना निषाद
	श्री माधवेन्द्र मिश्रा

प्रवेश समिति (शिक्षक)

संयोजक	श्रीमती शिप्रा सिंह
सदस्य	डॉ. अविनाश प्रताप सिंह
	डॉ. अरूण कुमार राव
	श्री विनय कुमार सिंह
	श्री नन्दन शर्मा
	श्री सुबोध कुमार मिश्र
	श्रीमती पूजा पाण्डेय
	श्रीमती पुष्पा निषाद
	श्रीमती कंचन सिंह
	श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव
	सुश्री अंजली गुप्ता
	सुश्री दीप्ती गुप्ता
	डॉ मृत्युञ्जय कुमार सिंह

चक्रानुक्रम में महाविद्यालय के
सभी प्राध्यापकों का सहयोग लिया जाता है।

प्रवेश समिति सदस्य (छात्र/छात्राएं)

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
सुश्री शिबा खातून	बी.एस-सी. भाग-तीन
सुश्री निखिता सिंह	पूर्व छात्रा, बी.एस-सी.
सुश्री राधिका चौहान	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री सुष्मिता सिंह	बी.कॉम. भाग-तीन
सुश्री श्वेता मौर्या	बी.कॉम. भाग-तीन
सुश्री प्रगति मिश्रा	एम.कॉम. भाग-दो
सुश्री वर्षा सिन्हा	बी.एड्. भाग-दो
सुश्री राजनन्दिनी चौधरी	बी.एस-सी. भाग-दो
श्री बलवंत कुमार मौर्य	बी.ए. भाग-दो
श्री यसवंत कुमार मौर्य	पूर्व छात्र, बी.ए.
सुश्री नितिन तिवारी	बी.कॉम. भाग-दो

प्रवेश समिति में उन छात्र-छात्राओं को चयनित किया जाता है जो विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में अपने वर्ग में सर्वोच्च अंक प्राप्त करते हैं।

कर्मचारी संघ

अध्यक्ष	श्री सुभाष कुमार
उपाध्यक्ष	श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव
महामंत्री	श्री झब्बर शर्मा
कोषाध्यक्ष	श्री विश्वनाथ
सदस्य	श्री गौरव जायसवाल
	श्री विजय कुमार मिश्र
	श्री राम रतन

प्रयोगशाला छात्र समिति

डा. शिव कुमार बर्नवाल, प्रभारी (शिक्षक)

सुश्री प्रियंका मिश्रा, सह प्रभारी (शिक्षक)

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
श्री शुभम सिंह	बी.एस-सी. भाग-तीन
श्री अनुराग मिश्रा	बी.एस-सी. भाग-दो
श्री अमन कुमार सिंह	बी.एस-सी. भाग-दो
श्री अमन कुमार गुप्ता	बी.एस-सी. भाग-एक
श्री आकाश कुमार यादव	बी.ए. भाग-दो
सुश्री आंचल कर्ण	बी.एस-सी. भाग-तीन
सुश्री सुषमा सिंह	बी.एस-सी. भाग-दो

छात्रा समिति

सुश्री मनीता सिंह, प्रभारी (शिक्षक)

श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव, सह प्रभारी (शिक्षक)

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
सुश्री दिव्या सिंह	बी.काम. भाग-दो
सुश्री अंजनी प्रजापति	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री सूमन प्रजापति	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री अंशिका श्रीवास्तव	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री वैशाली मिश्रा	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री साक्षी सिंह	बी.एस-सी. भाग-एक
सुश्री अर्पिता निषाद	बी.एस-सी. भाग-एक
सुश्री शिखा सिंह	बी.एस-सी. भाग-एक

स्वच्छता एवं बागवानी समिति

श्री विनय कुमार सिंह, प्रभारी (शिक्षक)

सुश्री आम्रपाली वर्मा, सह प्रभारी (शिक्षक)

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
सुश्री स्वेता सिंह	बी.ए. भाग-दो
सुश्री आरती गौड़	बी.एस-सी. भाग-एक
सुश्री किरन सिंह	एम.एस-सी. भाग-दो
सुश्री स्वेच्छा चौहान	बी.ए. भाग-एक
सुश्री अर्चना गुप्ता	बी.एस-सी. भाग-तीन

पुस्तकालय छात्र समिति

श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी, प्रभारी (शिक्षक)

श्री गौरव कुमार जायसवाल, पुस्तकालय अध्यक्ष

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
श्री दीनू चौरसिया	बी.ए. भाग-एक
सुश्री रजनी निषाद	बी.एस-सी. भाग-तीन
सुश्री सोनल दूबे	बी.एस-सी. भाग-एक
श्री आशुतोष चौहान	बी.एस-सी. भाग-दो
सुश्री प्रीति गुप्ता	बी.एस-सी. भाग-दो
सुश्री संजू गुप्ता	बी.ए. भाग-एक
सुश्री विनीता विश्वकर्मा	बी.एस-सी. भाग-दो
सुश्री अनु सिंह	बी.ए. भाग-दो
सुश्री जूही पाण्डेय	बी.एस-सी. भाग-तीन

क्रीड़ा छात्र समिति

डॉ. मृत्युन्जय कुमार सिंह

क्रीड़ाधीक्षक

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
श्री सुशील कुमार सिंह	बी.ए. भाग-तीन
श्री किशन सिंह	बी.एस-सी. भाग-एक
श्री अनुप प्रजापति	बी.ए. भाग-एक
श्री फजले अख्तर	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री ज्योति पाण्डेय	बी.एस-सी. भाग-तीन
श्री जिआऊल हक	बी.ए. भाग-एक
श्री विनय साहनी	बी.ए. भाग-दो

छात्र सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति

सुश्री दीप्ति गुप्ता, प्रभारी (शिक्षक)

श्रीमती कविता मन्ध्यान, सह प्रभारी (शिक्षक)

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
सुश्री वर्षा जायसवाल	बी.ए. भाग-दो
सुश्री पूजा साहनी	बी.ए. भाग-दो
सुश्री प्रगति मिश्रा	एम.काम. भाग-दो
सुश्री रूक्मिणी सिंह	बी.ए. भाग-एक
श्री सूरज गुप्ता	बी.काम. भाग-एक
श्री सतीश पाण्डेय	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री दीक्षा कर्ण	बी.एस-सी. भाग-तीन
सुश्री राजनन्दनी चौधरी	बी.एस-सी. भाग-दो

प्रार्थना छात्र समिति

श्री सुबोध कुमार मिश्र

प्रभारी (शिक्षक)

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
सुश्री तनु कुमारी	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री करिश्मा कुमारी	बी.ए. भाग-एक
सुश्री पुष्पा कुमारी	एम.ए. भाग-एक
श्री आकाश चौबे	एम.एस-सी. भाग-एक
सुश्री प्रतिमा चौहान	बी.ए. भाग-एक

दीवाल पत्रिका समिति

श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला, प्रभारी (छात्रसंघ अध्यक्ष)

सुश्री प्रगति मिश्रा, सह प्रभारी (छात्रसंघ उपाध्यक्ष)

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
श्री अनिल कुमार	बी.एड्. भाग-दो
श्री धनन्जय विश्वकर्मा	एम.ए. भाग-दो
श्री रवि प्रताप नागवंशी	बी.ए. भाग-दो
सुश्री रूबी गुप्ता	बी.ए. भाग-एक
श्री प्रदीप मद्धेशिया	बी.ए. भाग-दो
सुश्री अपराजिता पाण्डेय	बी.ए. भाग-एक
सुश्री गायत्री सिंह चौहान	बी.ए. भाग-एक
सुश्री शशि चौहान	बी.ए. भाग-दो

शोध समिति

डॉ. कृष्ण कुमार

प्रभारी (शिक्षक)

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
सुश्री प्रगति मिश्रा	एम.काम. भाग-दो
श्री अनिल कुमार	बी.एड्. भाग-एक
श्री आकाश चौबे	बी.एस-सी. भाग-एक
सुश्री किरन सिंह	बी.एस-सी. भाग-दो
सुश्री पुष्पा कुमारी	एम.ए. भाग-एक

सोशल मीडिया समिति

श्री बागीश राज पाण्डेय

प्रभारी (शिक्षक)

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
श्री राणा शिवेन्द्र प्रताप सिंह	बी.एस-सी. भाग-तीन
श्री नितेश पाण्डेय	बी.एस-सी. भाग-दो
श्री शिवेश यादव	बी.एस-सी. भाग-एक
श्री सिद्धार्थ कु. शुक्ला	बी.कॉम. भाग-एक
सुश्री प्रगति मिश्रा	एम.काम. भाग-दो
श्री अनुराग त्रिपाठी	बी.काम. भाग-तीन
श्री सुधांशु यादव	बी.ए. भाग-तीन
श्री मनीष कुमार शर्मा	बी.एस-सी. भाग-एक

इस समिति में राणा शिवेन्द्र प्रताप सिंह, नितेश पाण्डेय, शिवेश यादव और मनीष कुमार शर्मा किसी कक्षा के प्रतिनधि नहीं हैं।

नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष	परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज	
निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव	प्राचार्य
शोध सहायक	डॉ. अभिषेक सिंह	प्रवक्ता, रक्षा अध्ययन
परामर्श समिति	डॉ. कृष्ण कुमार गौतम	काठमाण्डू (नेपाल)
	डॉ. काशीनाथ	बुद्ध टूरिज्म विश्वविद्यालय काठमाण्डू (नेपाल)
	श्री राकेश मिश्र	तराई पत्रकार काठमाण्डू (नेपाल)
	श्री सुरेश मल्ल	नेपाल
	श्रीमती नलिनी गयवाली	सामाजिक कार्यकर्ता (नेपाल)
	श्री दीपक अधिकारी	सामाजिक कार्यकर्ता काठमाण्डू (नेपाल)
	डॉ. हर्ष सिन्हा	दी.द.उ. गो. विश्वविद्यालय गोरखपुर (भारत)
	डॉ. रेनू सक्सेना	जामिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली (भारत)
	श्री अजीत कुमार	सामाजिक कार्यकर्ता (भारत)
	श्री हरेन्द्र प्रताप	सदस्य विधान परिषद, पटना, बिहार (भारत)
	श्री अरुण जी	सामाजिक कार्यकर्ता, नयी दिल्ली (भारत)

गुरु श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष	पूज्य महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज
निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव
शोध समन्वयक	श्री सुबोध कुमार मिश्र
परामर्श समिति	प्रो. यू.पी. सिंह
	प्रो. शिवाजी सिंह
	प्रो. कपिल कपूर
	डॉ. सन्तोष शुक्ला
	प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा
	प्रो. मुरली मनोहर पाठक
	डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ

नाम	पद
पूज्य महन्त योगी आदित्यनाथ जी (सांसद), प्रबन्धक	सदस्य
प्रो. यू.पी. सिंह (पूर्व कुलपति), बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
प्रो. राम अचल सिंह (पूर्व कुलपति), बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह (प्राचार्य), बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
श्री मनीष कुमार दूबे, अध्यक्ष, पुरातन छात्र परिषद	सदस्य
डॉ. टी.एन. मिश्रा, अध्यक्ष, अभिभावक संघ	सदस्य
श्री गजेन्द्र प्रताप सिंह, समाजसेवी	सदस्य
श्री ज्योति मस्करा, उद्योगपति	सदस्य
डॉ. विजय कुमार चौधरी, शिक्षक	सदस्य
डॉ. मृत्युन्जय कुमार सिंह, अनुशासन	सदस्य
डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, शिक्षक	सदस्य
डॉ. राजेश कुमार शुक्ल, शिक्षक	सदस्य
श्रीमती कविता मन्ध्यान, शिक्षक	सदस्य
डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, शिक्षक	सदस्य
डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, शिक्षक	समन्वयक/सचिव
डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य	अध्यक्ष

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चन प्रकोष्ठ की बैठक में
पूज्य महाराज जी, प्रो. रामअचल सिंह जी तथा शिक्षक गण

समावर्तन-२०१७

महाविद्यालय परिवार

अध्यक्ष	प्रबन्धक
प्रो. यू.पी. सिंह	**गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उ.प्र.	सदर सांसद, गोरखपुर

प्राचार्य

डॉ. प्रदीप कुमार राव

शिक्षक - डॉ. विजय कुमार चौधरी-भूगोल, डॉ. आर.एन. सिंह-प्राणि विज्ञान, डॉ. शिव कुमार बर्नवाल-रसायन विज्ञान, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह-राजनीति शास्त्र, श्रीमती कविता मल्यान-अंग्रेजी, डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव-वनस्पति विज्ञान, डॉ. प्रवीन्द्र कुमार-भूगोल, श्री प्रकाश प्रियदर्शी-समाज शास्त्र, डॉ. राकेश शुक्ला-वाणिज्य, डॉ. आरती सिंह-हिन्दी, श्री सुभाष कुमार गुप्ता-वाणिज्य, श्री कान्त मणि त्रिपाठी-गणित, श्री नन्दन शर्मा-वाणिज्य, सुश्री मनीता सिंह-भौतिकी, श्री सुबोध कुमार मिश्र-प्राचीन इतिहास, डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह-इतिहास, डॉ. राम सहाय-रसायन शास्त्र, श्री विरेन्द्र तिवारी-कम्प्यूटर साइंस, सुश्री आम्रपाली वर्मा-वनस्पति विज्ञान, श्री प्रतीक दास-गणित, श्री विनय कुमार सिंह-प्राणि विज्ञान, डॉ. संजय तिवारी-कम्प्यूटर साइंस, श्री प्रदीप कुमार वर्मा-रसायन विज्ञान, सुश्री प्रियंका मिश्रा-रसायन विज्ञान, डॉ. अरुण कुमार राव-भौतिकी, श्री प्रखर वैभव सिंह-इलेक्ट्रानिक्स, डॉ. प्रद्योत कुमार मिश्र-मनोविज्ञान, डॉ. कृष्ण कुमार-राजनीति शास्त्र, डॉ. शक्ति सिंह-गृह विज्ञान, डॉ. अपर्णा मिश्रा-मनोविज्ञान, डॉ. अभिषेक वर्मा-भौतिकी, सुश्री पुष्पा निषाद-बी.एड., श्रीमती पूजा पाण्डेय-बी.एड., पवन कुमार राव-राजनीति शास्त्र, श्री मंजेश्वर-अर्थशास्त्र, डॉ. मृत्युन्जय कुमार सिंह-बी.एड., सुश्री दीप्ति गुप्ता-बी.एड., श्रीमती शिप्रा सिंह-बी.एड., श्रीमती प्रतिभा मणि त्रिपाठी-बी.एड., श्री अंशुमान सिंह-रक्षा अध्ययन, श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव-बी.एड., श्रीमती कंचन सिंह-बी.एड., सुश्री हिमाद्री सिंह-बी.एड., डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर-भौतिक, श्री संजय जायसवाल-रसायन विज्ञान, श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह-बी.एड., श्री वागीश राज पाण्डेय-वाणिज्य, सुश्री प्रगति पाण्डेय-वाणिज्य, डॉ. कुसुमलता सिंह-सांख्यिकी, डॉ. अभिषेक सिंह-रक्षा अध्ययन, श्री सत्य प्रकाश सिंह-बी.एड., श्री नवनीत कुमार सिंह-बी.एड., सुश्री श्वेता चौबे-बी.एड.

कर्मचारी - श्री सुभाष कुमार-कार्यालय प्रभारी, श्री सन्तोष कुमार श्रीवास्तव-प्रयोगशाला सहायक, श्री प्रखर शर्मा-प्रयोगशाला सहायक, श्री अमित कुमार-प्रयोगशाला सहायक, श्री ओम प्रकाश-प्रयोगशाला सहायक, श्री राम रतन-प्रयोगशाला सहायक, श्री विजय कुमार मिश्र -प्रयोगशाला सहायक, श्री मुकेश शर्मा-प्रयोगशाला सहायक, सुश्री नीतू सहनी-प्रयोगशाला सहायक, श्री शम्भू प्रताप सिंह-कार्यालय सहायक, श्री राधेश्याम-प्रयोगशाला सहायक, श्रीमती कमलावती प्रजापति-सिलाई कढ़ाई, श्री गोविन्द प्रसाद-पुस्तकालय सहायक, श्री आशीष यादव-प्रयोगशाला सहायक, श्री गौरव कुमार जायसवाल-पुस्तकालयाध्यक्ष, श्री ब्रह्मानन्द पाण्डेय-कम्प्यूटर ऑपरेटर

कर्मचारी - श्री विश्वनाथ-परिचर, श्री जोगिन्दर-परिचर, श्री विनोद-परिचर, श्री लालसा-परिचर, श्री राजाराम-परिचर, श्री राम आशीष-परिचर, श्रीमती पुनम-सफाई, श्रीमती कमलावती देवी- सफाई, श्री राम लखन-परिचर, श्री धर्मवीर-माली

हमारे प्रयास

- प्रात: सरस्वती वन्दना, प्रार्थना, वन्देमातरम, राष्ट्रगान एवं श्रीमद्भगवद्गीता के पाँच श्लोक के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ।
- प्रत्येक महापुरूष की जयन्ती अथवा पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा में उन पर संक्षिप्त परिचयात्मक उद्बोधन के साथ उन्हें श्रद्धांजलि।
- १६ जुलाई से स्नातक/स्नातकोत्तर द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- १ अगस्त से स्नातक/स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- प्रति वर्ष पाठ्यक्रम योजना का प्रकाशन एवं तद्नुरूप ३० जनवरी तक पाठ्यक्रम पूर्ण करने की योजना का क्रियान्वयन।
- १६ अगस्त से प्रयोगशालाएं शुरू।
- छात्रसंघ का चुनाव सितम्बर प्रथम सप्ताह तक।
- प्रवेश समिति में छात्र-छात्राएँ सदस्य एवं संयोजक।
- छात्र, छात्राओं, प्राध्यापक, कर्मचारी आदि द्वारा प्रत्येक शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान।
- सप्ताह में एक दिन छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापक।
- छात्र-छात्राओं का मासिक मूल्यांकन।
- महाविद्यालय प्रशासन में छात्र-छात्रा सहभाग अर्थात् नियन्ता मण्डल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि समितियों में छात्र सदस्य।
- विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों का गणवेश निर्धारित।
- छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन, शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र द्वारा।
- फरवरी माह में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा।
- विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में प्रथम तीन छात्र-छात्राओं को पुस्तकालय की विशेष सुविधा, प्रवेश समिति की सदस्यता, उनकी उत्तर पुस्तिकाएं पुस्तकालय में अवलोकनार्थ रखा जाना।
- परीक्षा से पूर्व समावर्तन संस्कार (दीक्षान्त) समारोह का आयोजन।
- शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को गोद लेने की प्रक्रिया।
- सत्र में दो बार शिक्षक-अभिभावक एवं पुरातन छात्र परिषद् की बैठक।
- प्रतिवर्ष अगस्त माह में साप्ताहिक राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला।
- नवम्बर माह में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता।
- प्रतिवर्ष 'विमर्श' (वार्षिक) एवं 'मानविकी' (अर्द्धवार्षिक) नामक शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन।
- प्रत्येक सत्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला का आयोजन।
- ग्रामीण महिलाओं के स्वालम्बन हेतु योगीराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन।
- महाविद्यालय के समस्त छात्र/छात्राओं एवं ग्रामीण छात्राओं हेतु नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण।
- गुरू श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- हमारे महापुरुष, जीवन मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम का संचालन।
- प्रत्येक विभाग द्वारा एक गाँव को गोद लेकर जनजागरण अभियान द्वारा संस्थागत सामाजिक दायित्व का निर्वहन।
- महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन।
- मासिक ई-पत्रिका ध्येय पथ का प्रकाशन।

समावर्तन उपदेश

सत्यं वद। धर्मं चर। स्वाध्यायान्मा प्रमदः। सत्यान्न प्रमदितव्यम्। धर्मान्न प्रमदितव्यम्। कुशलान्न प्रमदितव्यम्। भूत्यै न प्रमदितव्यम्। स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्। देवपितृकार्याभ्यां न प्रमदितव्यम्। मातृदेवो भव। पितृदेवो भव। आचार्यदेवो भव। अतिथिदेवो भव। यान्यनवद्यानि कर्माणि तानि सेवितव्यानि।

तैत्तिरीय उपनिषद् १.११

''सत्य बोलना। धर्म का आचरण करना। स्वाध्याय में प्रमाद न करना। सत्य से न हटना। धर्म से न हटना। कुशल कार्य में प्रमाद न करना। महान् बनने के सुअवसर से न चूकना। पठन-पाठन के कर्त्तव्य में प्रमाद न करना। देवता और पितरो के कार्य (यज्ञ और श्राद्ध आदि) से प्रमाद न करना। माता को देवी समझना। पिता को देवता समझना। आचार्य को देवता समझना। अतिथि को देवता समझना। अन्यान्य दोष-रहित कार्यों को करना।''

संकल्प

मैं .....

पुत्र/पुत्रीश्री/श्रीमती .....

स्नातक/स्नातकोत्तर कला/विज्ञान/वाणिज्य में इस महाविद्यालय से अपनी शिक्षा पूर्ण कर रहा/रही हूँ।

- मैं संकल्प लेता/लेती हूँ कि उपर्युक्त समावर्तन उपदेश का पालन करूँगा/करूंगी।
- जीवन में शुचिता एवं ईमानदारी के साथ पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन के उत्तरदायित्वों का निर्वाह करूँगा/करूँगी।
- मैं भारत का एक योग्य नागरिक बना रहूँगा/बनी रहूँगी। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति मेरी निष्ठा रहेगी।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे राष्ट्रीय एकता-अखण्डता को चोट पहुँचे।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे मेरे माता-पिता तथा सगे-सम्बन्धियों की कीर्ति धूमिल हो।
- भारत की सनातक संस्कृति में मेरी अटूट निष्ठा बनी रहेगी।
- भारतीय जीवन मूल्यों का सम्मान करते हुए उसके संवर्धन हेतु सदैव प्रयत्नशील रहूँगा/रहूँगी और अपने व्यक्तिगत जीवन में उनका पालन करूँगा/करूँगी।

हस्ताक्षर प्राचार्य

हस्ताक्षर छात्र/छात्रा